आश्विन कृष्ण - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 59 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 21-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए : खरगे

6 मेजर मल्लारामा गोपाल नायडू : हिंदुस्तान के शेर ने पाकिस्तान के 5 आतंकवादियों को किया था ढेर

7 एच-1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा : ट्रंप

नवरात्रि शुभ मुहूर्त

आसोज सुदी प्रतिपदा सोमवार दिनांक 22 नवम्बर को नवरात्रि उत्सव प्रारंभ हो रहा है। इस बार यह 10 दिन गुरुवार 2 अक्टूबर तक चलेगा। नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना का विधान है। घट स्थापना करने से देवी मां प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यता अनुसार कलश में ब्रह्मा, विष्णु, महेश और मातृगण का निवास बताया गया है। मां की पूजा के समय घट स्थापना करने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती है। नवरात्रि के पहले दिन शुभ संयोग व अच्छे मुहूर्त में कलश स्थापना करनी चाहिए। घट स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त प्रातः 6.08 बजे से 7.30 बजे तक अमृत वेला, दिन में 9.10 बजे से 10.41 बजे तक शुभ वेला, श्रेष्ठ रहेगा। इस बार माताजी का आगमन हाथी पर हो रहा है, जो अति शुभ माना जाता है। मां के विशेष मन्त्र...

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे....

का जाप करना बहुत शुभ माना गया है।

- पंडित जगदीश आचार्य, बेंगलूरु
फोन : 9448417398

फर्स्ट टेक

पाकिस्तानः यूट्यूब पर डेटिंग शो 'लाजवाल इश्क' के प्रसारण से पहले विवाद

इस्लामाबाद/एपी। पाकिस्तान में डेटिंग शो 'लाजवाल इश्क' यूट्यूब पर अपने प्रसारण से पहले ही विवादों में घिर गया है। शो की मेजबानी पाकिस्तानी अभिनेत्री आयशा ओमर कर रही हैं और इसकी शूटिंग इस्तांबुल में की गई है। शो में आठ प्रतिभागी एक लक्जरी विला में रहते हैं, जहां उनके बीच होने वाला हर संवाद कैमरे में रिकॉर्ड किया जाता है। इन प्रतिभागियों में चार पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं।

सूर्यास्त	सूर्योदय
20-09-2025 6:05 बजे	21-09-2025 5:58 बजे

BSE	NSE
82,626.23 (-387.73)	25,327.05 (-96.55)

सोना	चांदी
11,525 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	144,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

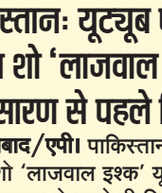

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दल-सार

राजनीति में सब दल का,
लगभग समान होता चरित्र।
सत्ता लोभी कुर्सी जुगाड़ु,
अवसरवादी हैं सभी मित्र।
नायक हैं जिनके दूध धुले,
जनहितकारी सच्चे पवित्र।
सबकी आदर्श संहिताएं,
जिनमें होते हैं कईं छिद्र।।

चिप हो या शिप हमें भारत में ही बनाने होंगे : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भावनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अन्य देशों पर भारत की निर्भरता को उसका मुख्य दुश्मन बताया और आत्मनिर्भरता के मूल मंत्र पर जोर देते हुए कहा कि चिप हो या शिप...हमें भारत में ही बनाने होंगे। वह गुजरात में भावनगर के गांधी मैदान में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने कुल 34,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। मोदी ने कहा कि भारत की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है और वह है आत्मनिर्भरता।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुल 34,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत वैश्विक बंधुत्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है और आज दुनिया में भारत का कोई बड़ा दुश्मन नहीं है, लेकिन सही मायनों में भारत का सबसे बड़ा दुश्मन अन्य देशों पर निर्भरता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस निर्भरता को सामूहिक रूप से पराजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशी निर्भरता बढ़ने से राष्ट्रीय विफलता बढ़ती है। मोदी ने कहा, वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने आगाह किया कि दूसरों पर निर्भरता राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए खतरा है। उन्होंने कहा, 140 करोड़ भारतीयों का भविष्य बाहरी ताकतों पर नहीं छोड़ा जा सकता, न ही राष्ट्रीय विकास का संकल्प विदेशी निर्भरता पर आधारित हो सकता है। आने वाली पीढ़ियों का भविष्य दूसरों पर नहीं छोड़ा जा सकता। 140 करोड़ की आबादी वाला देश अगर दूसरों पर निर्भर है, तो यह राष्ट्रीय स्वाभिमान के साथ समझौता है। मोदी ने कहा कि एक लोकप्रिय कहावत के अनुसार, 100 प्रकार के दर्द का एक ही इलाज है, इसी तरह, भारत की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है, और वह है आत्मनिर्भरता।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का पहला खंड 2027 में शुरू हो जाएगा : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए शिलफाटा और घनसोली के बीच 4.88 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में शनिवार सुबह पूरा हो गया।

वैष्णव ने इसे ''ऐतिहासिक उपलब्धि'' बताते हुए कहा कि सूरत-बिलिमोरा खंड पर हाई-स्पीड कॉरिडोर का पहला चरण दिसंबर 2027 में शुरू हो जाएगा।

मुंबई के पास घनसोली में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन ''मध्यम वर्ग के लिए परिवहन'' का साधन होगी और किराया ''उचित'' होगा।

रेल मंत्री ने कहा कि 'गूगल मैप' ऐप मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय नौ घंटे दिखाता है, लेकिन बुलेट ट्रेन से लोग यह दूरी दो घंटे सात मिनट में तय कर सकेंगे। वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला चरण 2027 में सूरत-बिलिमोरा खंड पर शुरू किया जाएगा। यह 2028 में ठाणे और 2029 में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स तक हो जाएगा। उन्होंने कहा, ट्रेनों के परिचालन की इस तरह से योजना बनाई गई है कि सुबह और शाम के व्यस्त समय में हर आधे घंटे में एक ट्रेन रवाना होगी। पूरा नेटवर्क व्यवस्थित हो जाने पर, व्यस्त समय में हर 10 मिनट में एक ट्रेन उपलब्ध होगी।

मंत्री ने कहा कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा के लिए टिकट आरक्षित कराने की आवश्यकता नहीं होगी और यात्री स्टेशन पर टिकट ले सकेंगे।

सुरंग के एक छोर पर खड़े होकर, वैष्णव ने बटन दबाया और नियंत्रित डायनामाइट विस्फोट से इसकी अंतिम परत को तोड़ दिया, जिससे पांच किलोमीटर तक की खुदाई पूरी हो गई।

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, कई घायल

कीव/एपी। रूस ने शनिवार तड़के यूक्रेन के विभिन्न क्षेत्रों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले निप्रॉपेट्रोस, मायकोलाइव, चेर्निहाइव, जापोरिजिया, पोल्टावा, कीव, ओडेसा, सुमी और खार्किव सहित नौ क्षेत्रों में हुए। उन्होंने कहा, दुश्मन का लक्ष्य हमारा बुनियादी ढांचा, आवासीय क्षेत्र और गैर सरकारी प्रतिष्ठान थे। उन्होंने कहा कि क्लस्टर हथियारों से लैस एक मिसाइल ने द्निप्रो शहर में एक बहुमंजिला इमारत पर हमला किया। उन्होंने अपने आधिकारिक 'टेलीग्राम' पर एक बयान में कहा, ऐसा प्रत्येक हमला सैन्य आवश्यकता नहीं है, बल्कि नागरिकों को डराने और हमारे बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए रूस की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

बिहार के मंत्री ने तेजस्वी यादव को भेजा कानूनी नोटिस

पटना/भाषा। बिहार के शहरी विकास मंत्री जीवेश कुमार ने शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं तेजस्वी प्रसाद यादव को ''झूठे, दुर्भावपूर्ण और अपमानजनक '' बयान देने के आरोप में कानूनी नोटिस भेजा और 15 दिनों के भीतर उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा। विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव ने 15 सितंबर को दरभंगा जिले में एक पत्रकार से कथित बदसलूकी एवं मारपीट के आरोपों को लेकर मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान की एक अदालत के हालिया आदेश का हवाला देते हुए कुमार पर ''नकली दवा बनाने'' से जुड़े मामले में संलिप्त होने का आरोप लगाया था और मांग की थी कि उन्हें नीतीश मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए या इस्तीफा देने को कहा जाए। उन्होंने ये आरोप पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में लगाए थे।

देश में वो स्थान सिमट रहे, जहां लोकतंत्र मौजूद है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि देशभर में वो स्थान सिमट रहे हैं, जहां लोकतंत्र मौजूद है, जिससे लोगों को आपस में खुलकर बातचीत करने की जगह नहीं मिल रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल अपनी बहन और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ यहां कोट्टाथारा ग्राम पंचायत में पार्टी के दिवंगत नेता ओमन चांडी के नाम पर एक सभागार का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

राहुल ने कहा कि उन्हें इस सभागार का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है, क्योंकि यह लोगों को अपने मुद्दों पर चर्चा करने, मतभेद व्यक्त करने और भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संविधान की रक्षा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक नेताओं के लिए लोगों और उनकी समस्याओं को सुनने का भी स्थान होगा। राहुल और प्रियंका दोनों ने कहा कि ओमन चांडी के नाम पर एक सभागार का उद्घाटन करना उनके लिए सम्मान की बात है, क्योंकि दिवंगत कांग्रेस नेता एक विनम्र और दयालु व्यक्ति थे। शुक्रवार को अपनी मां सोनिया गांधी के साथ वायनाड पहुंचे राहुल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कई वरिष्ठ नेता हैं, जिनमें जरा भी विनम्रता नहीं है, लेकिन चांडी केरल के लोगों के साथ अपने संबंध के कारण विनम्र हैं। प्रियंका ने कहा कि उनकी मां के अनुसार चांडी ईश्वर से डरने वाले और विनम्र व्यक्ति थे तथा उनमें दूसरों के प्रति गहरी करुणा रखने का दुर्लभ गुण था। उन्होंने कहा, चांडी का पूरा जीवन लोगों की सेवा में बीता। राहुल ने अपने भाषण में कहा कि केरल में राजनीति की नींव पंचायतों पर टिकी है और यह ऐसी चीज है, जो राज्य देश के बाकी हिस्सों को सिखा सकता है। उन्होंने कहा, इसलिए, मैं केरल को देश के लिए लोकतंत्र के एक मजबूत मॉडल के रूप में देखता हूं।

बीते 10 वर्षों में कश्मीर, पूर्वोत्तर और

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 फीसदी कमी आई : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगर पूरी दुनिया में कोई भी संकट का प्रबंधन सीखना चाहता है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के कोविड प्रबंधन का अध्ययन कर सकता है।

नयी दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है।

शाह ने दोहराया कि वामपंथी उग्रवाद को 31 मार्च 2026 तक समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमलों और 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला देते हुए कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई गई है।

शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर समाचार चैनल 'आजतक' से बातचीत में कहा, ''देश में तीन प्रमुख 'हॉटस्पॉट' थे-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद... मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में, तीनों 'हॉटस्पॉट' में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है।''

गृह मंत्री ने कहा कि अगर पूरी दुनिया में कोई भी संकट का प्रबंधन सीखना चाहता है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के कोविड प्रबंधन का अध्ययन कर सकता है। उन्होंने कहा, ''जब दुनिया भर की सरकारें कोविड के खिलाफ अकेले लड़ रही थीं, भारत में केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और 140 करोड़ नागरिक इस लड़ाई में एक साथ आए और इसी सामूहिक शक्ति के कारण हमें सफलता मिली। यह मोदी जी के मजबूत नेतृत्व के कारण संभव हुआ।''

रेलवे बोर्ड ने पेयजल बोतल 'रेल नीर' की कीमत एक रुपए घटायी

नयी दिल्ली/भाषा। रेलवे बोर्ड ने अपने बोतलबंद पेयजल ब्रांड रेल नीर की कीमत में एक रुपये की कटौती की है। बोर्ड द्वारा शनिवार को जारी एक परिपत्र जिसे बोर्ड द्वारा शनिवार को जारी और सभी जोनल रेलवे व भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को संबोधित परिपत्र में कहा गया है, बोतलबंद पेयजल 'रेल नीर' की अधिकतम खुदरा कीमत में संशोधन किया गया है। अब एक लीटर की बोतल का मूल्य 15 से घटाकर 14 और 500 मिलीलीटर की बोतल का मूल्य 10 से घटाकर 9 कर दिया गया है। इसमें कहा गया है, ''रेलवे परिसरों और ट्रेनों में बेची जाने वाली आईआरसीटीसी/रेलवे द्वारा सूचीबद्ध अन्य ब्रांडों की पेयजल बोतलों की अधिकतम खुदरा कीमत भी संशोधित की जाएगी। अब एक लीटर की बोतल का मूल्य 15 से घटाकर 14 और 500 मिलीलीटर की बोतल का मूल्य 10 से घटाकर 9 किया गया है।''

छद्म युद्ध, आईएसआईएस प्रमुख चुनौतियां,

सुरक्षा निकायों में भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए : एनआईए प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के प्रमुख सदानंद दाते ने शनिवार को कहा कि छद्म युद्ध और आईएसआईएस भारत के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नयी बाधाओं से निपटने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जिम्मेदार संस्थानों के भीतर भ्रष्टाचार को समाप्त करना होगा। वह एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पुणे में थे, जहां उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा और इसकी चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया।

देश की प्रमुख आतंकवाद निरोधक जांच एजेंसी के महानिदेशक ने कहा कि नक्सलवाद, खालिस्तानी तत्व और अलगाववाद आंतरिक चुनौतियां बने हुए हैं, लेकिन छद्म युद्ध और आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) देश के लिए बड़ा खतरा हैं।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने कहा, पहला, कुछ देश छद्म युद्धों के जरिए हमारी प्रगति में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं, और दूसरा है आईएसआईएस। अगर हमें नयी चुनौतियों का सामना करना है, तो हमें लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अगर हम चुनौतियों का प्रभावी ढंग से जवाब देना चाहते हैं, तो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जिम्मेदार संस्थाओं में भ्रष्टाचार भी खत्म होना चाहिए।

एनआईए प्रमुख ने कहा कि भारत को आतंकवाद, नक्सलवाद, खालिस्तानी तत्वों, कश्मीर में अलगाववाद और पूर्वोत्तर में बांग्लादेश और म्यांमा से घुसपैठ सहित कई आंतरिक खतरों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, अब तक, हमने इनमें से कई मुद्दों पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया है। हमारा संविधान और लोकतंत्र, साथ ही स्वतंत्र न्यायपालिका, हमारी सबसे बड़ी उपलब्धियां हैं, क्योंकि इन्हीं ने हमें सफल होने में सक्षम बनाया है।

एनआईए प्रमुख ने महाराष्ट्र की विशिष्ट आतंकवाद निरोधी एजेंसी फोर्स वन की स्थापना के दौरान के अपने अनुभव को भी याद किया।

मोदी ने गुजरात में अवाडा समूह की 1,600 करोड़ रुपए की सौर परियोजना का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अवाडा समूह की 1,600 करोड़ रुपए की सौर परियोजना का उद्घाटन किया और गुजरात में कंपनी की नई 100 मेगावाट की सौर परियोजना की आधारशिला रखी।

विनीत मित्तल के नेतृत्व वाले औद्योगिक घराने ने एक बयान में कहा कि 280 मेगावाट की यह परियोजना राज्य के सुरेंद्रनगर जिले के तवी और वरसानी गांवों में 1,170 एकड़ में फैली है। इसमें कुल 1,500 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है।

बयान के मुताबिक, गुजरात राज्य सौर नीति के तहत विकसित की गई इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। इससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने और आत्मनिर्भर भारत के नजरिये को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

परियोजना से तैयार बिजली जीयूवीएनएल (गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड) को दी जाएगी, जो राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा मिशण में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इससे क्षेत्र के नागरिकों, विशेषकर किसानों के लिए स्वच्छ और अधिक किफायती बिजली सुनिश्चित करेगी। कंपनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वडोदरा जिले में अवाडा की 100 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना का भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शिलान्यास किया। कुल 350 एकड़ में फैली और 400 करोड़ रुपए के निवेश वाली यह परियोजना अवाडा जीजे सोलर द्वारा कार्यान्वित की जा रही है और इसके अप्रैल 2026 तक चालू होने की उम्मीद है।

अवाडा समूह के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा, हमारा मिशन भारत की वृद्धि गाथा में योगदान देना और समुदायों को सशक्त बनाना है। प्रधानमंत्री द्वारा इस परियोजना का उद्घाटन... प्रत्येक भारतीय को स्वच्छ, किफायती और टिकाऊ ऊर्जा समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

चेतन दरड़ा बने जैन फार्मा फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विरल शाह बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। शहर में आयोजित समारोह में जैन संतश्री नयपद्मसागरजी के सान्निध्य में जैन फ़ार्मा फ़ेडरेशन का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर चेतन दरड़ा को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष, नैतिक शाह, भौमिक शाह एवं उमेश सुराणा को उपाध्यक्ष तथा विरल शाह को महासचिव नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में देशभर से फ़ार्मा क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। समारोह में अतिथि के रूप में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, महाराष्ट्र चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के ललित जैन तथा अकुम्स ड्रग्स के चेयरमैन संजीव जैन आदि उपस्थित थे। जैन फ़ार्मा फ़ेडरेशन ने देश के सभी प्रमुख शहरों में अपने चैप्टर्स की स्थापना की है और इसका संभावित सदस्य आधार लगभग 30,000सदस्योंकाहै।

दिल्ली को शिक्षा केंद्र के रूप में परिवर्तित किया जाएगा : मुख्यमंत्री गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का लक्ष्य राष्ट्रीय राजधानी को शिक्षा के केंद्र में बदलना है। उन्होंने कहा कि यहां भारी उद्योगों पर प्रतिबंधों के कारण इसे औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित नहीं किया जा सकता, लेकिन यह सीखने के लिए सबसे प्रमुख स्थान बन सकता है।

रेखा गुप्ता ने करमपुरा स्थित बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय (एयूडी) के परिसर में स्वामी विवेकानन्द भवन के उद्घाटन के मौके पर कहा, हम दिल्ली को शिक्षा केंद्र बनाने पर काम कर रहे हैं। शिक्षा के लिए सबसे अच्छी जगह की तलाश कर रहे विद्यार्थियों को सबसे पहले दिल्ली के बारे में सोचना चाहिए। हमें अपनी व्यवस्था को इतना मजबूत बनाना होगा कि हमारे बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की ज़रूरत ही न पड़े।

उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे गर्व है कि हमने अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत अंबेडकर विश्वविद्यालय के विवेकानंद भवन का उद्घाटन किया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने विश्वविद्यालय की संपर्क संबंधी पहल जिक्र करते हुए कहा, एयूडी केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं है। इसने सात झुग्गी बस्तियों और गांवों को गोद लिया है। बच्चों को शिक्षा और विकास प्रदान कर रहा है।

महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर में तीन पत्रकारों पर हमला

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र में मंदिर नगरी त्र्यंबकेश्वर में शनिवार को वाहन के प्रवेश शुल्क के भुगतान को लेकर हुए विवाद के बाद विभिन्न समाचार चैनलों के तीन पत्रकारों पर कथित तौर पर कुछ लोगों ने लाठियों से हमला कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि उनमें से एक को गंभीर रूप से जख्मी होने की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना तब हुई जब पत्रकार योगेश खरे (ज़ी न्यूज़ तास), किरण ताज़ने (पुढारी न्यूज़), अभिजीत सोनवणे (साम टीवी), और कुछ अन्य लोग आगामी कुंभ मेले के संबंध में संतों की एक बैठक को 'कवर' करने के लिए त्र्यंबकेश्वर जा रहे थे। एक अधिकारी ने कहा,''शहर में प्रवेश करते समय, त्र्यंबकेश्वर नगर परिषद द्वारा नियुक्त किए गए ठेकेदार के कर्मियों ने उनके वाहन को रोका और उनसे अनिवार्य प्रवेश शुल्क देने के लिए कहा। इस पर बहस हुई, जिसके बाद लाठियों और छतरियों से हमला किया गया। राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने पुलिस अधीक्षक और जिला कलेक्टर को हमलावरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी' को छिपाने की कोशिश कर रहा: 'आप'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा चुनावों में 'वोट चोरी' के अपने आरोपों को दोहराया और दावा किया कि निर्वाचन आयोग मतदाताओं के नाम हटाने की जानकारी छिपा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर ''वोट चोरी'' के लिए जिम्मेदार रहे लोगों को बचाने का आरोप लगाया था, जिसके दो दिन बाद 'आप' ने यह बयान जारी किया।

'आप' की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि पार्टी ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में ''वोट चोरी'' होने की शिकायत की है, जहां फरवरी में हुए चुनावों में पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल, भाजपा के प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और कांग्रेस के संदीप दीक्षित के बीच मुकाबला था। उन्होंने कहा, हमने मतदाता सूची से नाम हटाने के फर्जी मामलों की जांच की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग को पत्र भी भेजे थे, लेकिन आरटीआई के जवाब में कहा गया कि मांगी गई जानकारी का सार्वजनिक गतिविधि या हित से कोई संबंध नहीं है।

भारद्वाजने आरोप लगाया, इससे पता चलता है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त की भूमिका संदिग्ध है। पूरा आयोग वोट चोरी को छिपाने की कोशिश कर रहा है।

'आप' ने शुक्रवार को दावा किया था कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और आतिशी द्वारा निर्वाचन आयोग को लिखे गए कई पत्रों के साथ-साथ आरटीआई अर्जियों में पूछे गए प्रश्नों का भी कोई जवाब नहीं मिला। निर्वाचन आयोग ने आरोपों को खारिज करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एक विस्तृत जवाब दिया गया था।

भारत और कनाडा संबंधों में 'नया अध्याय' जोड़ने की दिशा में काम करने पर राजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को कहा कि भारत और कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमत हुए हैं, जिसमें आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए मिलकर काम करना शामिल है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और उनकी कनाडाई समकक्ष नथाली ड्रोइन ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में व्यापक मुद्दों पर वार्ता की जिसका मुख्य उद्देश्य 2023 में एक सिख अलगाववादी की हत्या को लेकर हुए राजनयिक विवाद के बाद गंभीर तनाव से गुजर रहे द्विपक्षीय संबंधों को सुधारना था। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को वार्ता के व्यापक परिणामों की जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है,''दोनों पक्ष आगे बढ़ने के रास्ते पर मिलकर काम करने और द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ने की दिशा में सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमत हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जून में कनाडा के कनैनिस्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ बातचीत की थी। बयान के मुताबिक, बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए 'रचनात्मक' कदम उठाने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने डोभाल-ड्रोइन वार्ता पर कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष कार्नी के बीच हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाने का भी एक अवसर था। इसमें कहा गया है, दोनों पक्षों ने राजनीतिक नेतृत्व के उच्चतम स्तरों पर विश्वास के पुनर्निर्माण और सहयोग के विस्तार की स्पष्ट गति को स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर 'लाभकारी' चर्चा की, जिसमें आतंकवाद निरोध, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान जैसे क्षेत्र शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, वे सुरक्षा सहयोग को सशक्त बनाने और जुड़ाव के मौजूदा तंत्र को और मजबूत करने पर सहमत हुए। दोनों एनएसए के बीच यह वार्ता भारत और कनाडा द्वारा एक-दूसरे की राजधानियों में राजनयिक नियुक्त करने के तीन सप्ताह बाद हुई। भारत-कनाडा के संबंध तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों के बाद चरमरा गए थे जिनमें वर्ष 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े मामले से भारत का संबंध होने की संभावना जताई गई थी। पिछले साल अक्टूबर में भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को तब वापस बुला लिया था, जब ओटावा ने उन्हें निज्जर मामले से जोड़ने की कोशिश की थी। भारत ने कनाडा के भी इतने ही राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था।

अदालती आदेशों के खिलाफ अपील की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की जरूरत : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि सरकारी विभागों में अदालती आदेशों को चुनौती देने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के एक सम्मेलन को यहां संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कई बार अदालतों द्वारा ठोस फैसले दिए जाने के बावजूद सरकारी विभाग अपील दायर कर देते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कभी-कभी अधिकारी अपनी जान बचाने के लिए अदालत या कैट के आदेशों को चुनौती देने के लिए अपील दायर करते हैं, क्योंकि फैसलों में उनके द्वारा लिए गए निर्णयों पर सवाल उठाए गए होते हैं। मेघवाल ने कहा कि उन्हें नियमित रूप से ऐसी फाइलें मिलती रहती हैं, जिनमें केंद्रीय विभाग ठोस अदालती आदेशों के खिलाफ अपील दायर करने की योजना बना रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि सीएटी (कैट) को ई-फाइलिंग और डिजिटल सुनवाई जैसी नवीनतम तकनीकों का उपयोग करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भूगोल न्याय प्रदान करने में बाधा न बने। उन्होंने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों पर मुकदमों का बोझ कम करने में न्यायाधिकरण की भूमिका की भी सराहना की।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के लिए घनसोली में सुरंग निर्माण में सफलता मिली

मुंबई/भाषा। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत 4.88 किलोमीटर लंबी शिल्फाता-घनसोली सुरंग के निर्माण की दिशा में शनिवार सुबह कामयाबी मिली। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घनसोली शाफ्ट पर मौजूद थे, जब नियंत्रित विस्फोट के जरिए यह सफलता हासिल की गई। न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड (एनएटीएम) का उपयोग करके खोदी गई यह सुरंग, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाता के बीच 21 किलोमीटर लंबे भूमिगत खंड का हिस्सा है। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर का खंड भी शामिल है। एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सुरंग की खुदाई मई 2024 में तीन चरणों में शुरू हुई थी, और 2.7 किलोमीटर के खंड की पहली सफलता नौ जुलाई को हासिल की गई थी।

राज्यों की स्वतंत्रता खत्म कर उन्हें नगरपालिका बनाने पर आमादा है केंद्र : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्यों की स्वतंत्रता को खत्म करके उन्हें नगरपालिकाओं की स्थिति में पहुंचाने पर आमादा है। उन्होंने यह दावा भी किया कि मोदी सरकार सहकारी संघवाद के बजाय शत्रुतापूर्ण संघवाद में लिप्त है।

कांग्रेस नेता ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि राज्यों पर 10 वर्षों में लगभग 60 लाख करोड़ रुपए का कर्ज बढ़ गया है। सुरजेवाला ने 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया कि भारत का संघवाद अभूतपूर्व दबाव में है। उन्होंने कहा कि राज्य पहले से ही एक दशक में तीन गुना कर्ज में डूबे हुए हैं और अब केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर और मनमाने केंद्रीय शुल्कों के प्रबंधन के माध्यम से उनकी राजकोषीय स्वतंत्रता छीनी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य बढ़ते कर्ज और घटते राजस्व के दोहरे संकट का सामना कर रहे हैं। सुरजेवाला ने आरोप लगाया, सहकारी संघवाद' दांव पर है, सत्ता का विकेंद्रीकरण' दांव पर है, और हम जो देख रहे हैं वह 'राज्यों को ख़त्म' करने, उनकी 'कार्यक्षमता' को खोखला करने और केंद्र के हाथों में 'सत्ता का संघीकरण' करने का प्रयास हो रहा है।

एच1-बी वीजा शुल्क वृद्धि से अमेरिकी नवाचार पर असर पड़ेगा: कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच1-बी वीजा शुल्क को 1,00,000 अमेरिकी डॉलर करने का निर्णय अमेरिकी नवाचार को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले से प्रयोगशालाओं, पेटेंट और स्टार्टअप की अगली लहर अब बेंगलूरु और हैदराबाद जैसे भारतीय शहरों की ओर रुख करेगी, जिससे भारत के नवाचार और प्रगति को नई गति मिलेगी।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इस शुल्क का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में लाए जा रहे लोग वास्तव में अत्यधिक कुशल हों और अमेरिकी मूल के कर्मचारियों की जगह न लें। कांत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, डोनाल्ड ट्रंप का 1,00,000 डॉलर वाला एच1-बी शुल्क अमेरिकी नवाचार को दबा देगा, जबकि भारत के नवाचार को तेज करेगा। वैश्विक प्रतिभा के लिए अमेरिका के दरवाजे बंद होने से अगली पीढ़ी की प्रयोगशालाएं, पेटेंट, नवाचार और स्टार्टअप बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और गुरुग्राम जैसे शहरों की ओर बढ़ेंगी। भारत के बेहतरीन डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और नवप्रवर्तनकारी भारत के विकास और विकसित भारत की दिशा में योगदान देने का अवसर पाएंगे। अमेरिका का नुकसान भारत का लाभ होगा।

अमेरिका में वीजा पर काम कर रहे भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले एक कदम के तहत ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जिससे एच1-बी वीजा के लिए शुल्क बढ़कर सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। यह आव्रजन पर नकेल कसने के प्रशासन के प्रयासों का नवीनतम कदम है। जेएसए एडवोकेट्स एंड सॉलिसिटर्स के पार्टनर, सजाई सिंह ने शनिवार को कहा कि अमेरिका द्वारा एच1-बी वीजा पर सालाना 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने से उन भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों के लिए लागत बढ़ेगी, जो इस वीजा पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। इससे उनके व्यापार मॉडल और कमाई पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

नरेन्द्र मोदी एक 'कमजोर प्रधानमंत्री' हैं : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर (88 लाख रुपए) का शुल्क लगाए जाने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि वह एक कमजोर प्रधानमंत्री हैं। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जुलाई, 2017 में 'एक्स' (उस समय के ट्विटर) पर किए गए अपने एक पोस्ट को साझा करते हुए प्रधानमंत्री को निशाने पर लिया। उस पोस्ट में भी कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी पर कमजोर प्रधानमंत्री होने का आरोप लगाया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने शनिवार को दावा किया, मैं इस बात को दोहराता हूं, भारत के पास एक कमजोर प्रधानमंत्री हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी आवेदन के साथ एक लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा।

विहिप ने गरबा में 'केवल हिंदुओं' के प्रवेश की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शनिवार को कहा कि नवरात्र के अवसर पर आयोजित होने वाले 'गरबा' कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश दिया जाना चाहिए। उसने आयोजकों को सलाह दी कि वे पहचान के लिए प्रवेश करने वालों के आधार कार्ड की जांच करें।

महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि आयोजकों को किसी कार्यक्रम में प्रवेश की शर्तें तय करने का अधिकार है, बशर्ते वह पुलिस की अनुमति से आयोजित किया जा रहा हो। कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि विहिप 'समाज में आग लगा देना' चाहती है। राज्य में सबसे ज्यादा मनाये जाने वाले त्योहारों में से एक, नवरात्रि 22 सितंबर से एक अक्टूबर तक मनायी जायेगी। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गरबा सिर्फ एक नृत्य नहीं है, बल्कि देवी को प्रसन्न करने के लिए की जाने वाली पूजा का एक रूप है। वे (यानी मुसलमान) मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं करते हैं। केवल उन्हीं लोगों को इसमें भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए जो इन अनुष्ठानों में आस्था रखते हैं। उन्होंने कहा कि विहिप ने गरबा आयोजकों को परामर्श जारी कर उनसे प्रवेश द्वार पर आधार कार्ड की जांच करने एवं प्रतिभागियों को तिलक लगाने का आग्रह किया है और यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रवेश करने से पहले प्रतिभागी पूजा करें। नायर ने कहा,''विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता इन आयोजनों पर नजर रखेंगे। गरबा मनोरंजन नहीं बल्कि पूजा का एक रूप है। जिन लोगों की देवी में आस्था नहीं है, उन्हें इसका हिस्सा नहीं बनना चाहिए। विहिप के रुख पर बावनकुले ने कहा कि (प्रवेश द्वार पर) इस तरह के प्रतिबंध लगाना आयोजन समितियों के अधिकार में है।

बावनकुले ने संवाददाताओं से कहा, यह उनका अधिकार है। निर्णायक बात यह है कि आयोजन के लिए पुलिस की अनुमति है या नहीं। आयोजन समितियों को इसके आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख नवनाथ बान ने विहिप की घोषणा को लेकर पूछे गए एक एक सवाल के जवाब में कहा कि गरबा एक हिंदू आयोजन है और ''दूसरे धर्मों के लोगों को हिंदुओं द्वारा गरबा करने और देवी की पूजा करने में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, हम देवी की पूजा करते हैं, जो हमारी मां के समान हैं।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में आतंकवादियों की तलाश तेज, घायल सैनिक ने दम तोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के ऊधमपुर जिले के ऊंचाई वाले एक क्षेत्र में छिपे हुए आतंकवादियों को ठिकाने लगाने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा शनिवार को तलाशी अभियान का दायरा बढ़ाए जाने के बीच गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हुए एक सैनिक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार देर शाम उधमपुर के डूडू-बसंतगढ़ क्षेत्र और डोडा के भद्रवाह के बीच सेओज धार वन के कांजी में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के संयुक्त तलाशी दल पर आतंकवादियों ने गोलीबारी कर दी जिसमें एक सैनिक (लांस दफादार बलदेव) घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि घायल सैनिक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल के आसपास के क्षेत्र को रात के दौरान कड़ी घेराबंदी में रखा गया था और शनिवार सुबह तलाशी अभियान फिर से शुरू किया गया तथा आतंकवादियों का पता लगाने के लिए दिन के दौरान नए क्षेत्रों में भी तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि डोडा और उधमपुर, दोनों जगहों से अतिरिक्त बल बुलाए गए तथा तलाशी अभियान में तेजी लाने के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक आतंकवादियों का कोई सुराग नहीं मिला है। सेना ने शहीद सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा, हम दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं। सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, व्हाइट नाइट कोर के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग' (जीओसी) और सभी रैंक के अधिकारी लांस दफादार चंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने 19 और 20 सितंबर की दरमियानी रात को जारी अभियान के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने शिक्षकों से कहा, छात्रों में तर्कसंगत सोच विकसित करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि शिक्षकों का कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि वे छात्रों में तर्कसंगत सोच विकसित करें और ''उन्हें कैसे और क्यों'' जैसे प्रश्न पूछकर हर चीज को तर्कसंगत दृष्टिकोण से देखने के लिए तैयार करें।

यहां स्कूल शिक्षा विभाग के एक समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से कहा कि छात्रों को समानता और सामाजिक न्याय की आवश्यकता के बारे में सिखाया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया, ''छात्रों के लिए अच्छे आदर्श पेश करें और आप स्वयं एक आदर्श व्यक्ति बनें। उन्हें समाज में रहने की बेहतर भावना सिखाएं।'' द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्रों में जातिवादी और लैंगिक भेदभाव की प्रवृत्तियां न उभरें। मुख्यमंत्री ने कहा, ''छात्रों में तर्क की भावना विकसित करना आपका कर्तव्य और जिम्मेदारी है; उन्हें 'क्यों और कैसे' जैसे प्रश्न पूछकर हर चीज को तर्कसंगत दृष्टिकोण से देखने के लिए तैयार करें।'' उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल जाने वाले छात्र गौरव के 'प्रतीक'' बन गए हैं और सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। स्टालिन ने कहा कि सरकारी स्कूलों के छात्रों को विदेश भ्रमण पर ले जाया जाता है ताकि वे बाहरी दुनिया का अनुभव ले सकें और अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकें।

मुख्यमंत्री ने छात्रों के लिए द्रमुक सरकार की कल्याणकारी पहलों का जिक्र किया, जिनमें स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' और कॉलेज शिक्षा प्राप्त करने वाले युवक और युवतियों को 1,000 रुपये मासिक सहायता देना शामिल है।

जर्मनी के निवेशक तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे, कार्यबल से प्रभावित : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि जर्मनी के निवेशक राज्य के बुनियादी ढांचे, कुशल कार्यबल और महिलाओं को मिले रोजगार के अवसरों से प्रभावित हैं।

उन्होंने अपनी हालिया विदेश यात्रा के दौरान जर्मनी में निवेशकों से बातचीत की और तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने अपनी यूरोप यात्रा के बारे में एक वीडियो संदेश में कहा, ''मैंने हमारे युवाओं के लिए तैयार किए गए शिक्षा पाठ्यक्रम और कौशल प्रशिक्षण के बारे में बताया। जर्मनी के निवेशक तमिलनाडु के युवाओं को दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में जानकर चकित रह गए। मैंने जर्मनी में निवेशक शिखर सम्मेलन में तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे के बारे में भी बात की।''

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा कि जर्मनी के निवेशक अब तमिलनाडु में अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इस विकास को अगले स्तर पर ले जाना चाहता हूं। अभी हम इसी दिशा में दूरदर्शी योजनाएं लागू कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री के अनुसार, जर्मनी में उनका स्वागत इस बात का सबूत है कि वहां के निवेशक तमिलनाडु को कितना महत्व देते हैं।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में स्टालिन ने तर्कवादी नेता पेरियार ई वी रामासामी के चित्र का अनावरण भी किया।

हमारा लक्ष्य तमिलनाडु को 'पारिवारिक प्रभुत्व' से मुक्त करना है : विजय ने द्रमुक पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवरूर। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख एवं अभिनेता विजय ने शनिवार को द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के गृह क्षेत्र तिरुवरूर में एक विशाल रैली की और कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि तमिलनाडु में कोई ''पारिवारिक प्रभुत्व'' न हो।

यहां रैली को संबोधित करते हुए, अभिनेता विजय ने इस आलोचना का जिक्र किया कि उनकी रैलियों में जुट रही भारी भीड़ वोटों में तब्दील नहीं होगी, और इसी आधार पर उन्होंने उपस्थित लोगों से संवाद स्थापित करने की कोशिश की।

विजय ने पूछा, ''क्या आप वोट नहीं देंगे? क्या यह एक 'खाली सभा' है?'', इस पर युवक-युवतियों ने अपनी आवाज ऊंची करके सकारात्मक जवाब दिया और ''विजय-विजय'' के नारे लगाए। विजय ने द्रमुक सरकार पर तिरुवरूर की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि जिले में सड़क बुनियादी ढांचे सहित अन्य सुविधाओं का अभाव है। पचास से अधिक वर्षों से तिरुवरूर द्रमुक का गढ़ रहा है, जहां द्रविड़ आंदोलन की विचारधारा की गहरी जड़ें हैं और वामपंथी दलों का भी कुछ क्षेत्रों में प्रभाव है।

तिरुवरूर जिला, जो पूर्ववर्ती संयुक्त तंजावुर जिले का हिस्सा है, द्रमुक के प्रतिष्ठित नेता दिवंगत एम करुणानिधि का जन्मस्थान (तिरुक्कुवलाई) था।

सबरीमला के विकास पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे : पिनराई विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को ग्लोबल अयप्पा संगम' में घोषणा की कि भगवान अयप्पा मंदिर तीर्थयात्रा को श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से सबरीमला क्षेत्र में 1000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं पर काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सन्निधानम, पंबा और अयप्पा मंदिर तक जाने वाले पैदल मार्ग के विकास पर विभिन्न चरणों में कुल 1033.62 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ये सभी परियोजनाएं 2039 तक पूरी होने की उम्मीद है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विजयन ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं में सुधार के वास्ते 2025 से 2030 के बीच 300 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। हालांकि, इस कार्यक्रम का कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विरोध किया है।

विजयन ने कार्यक्रम के विरोध करने वालों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वयं को श्रद्धालु के तौर पर पेश कर रहे कुछ लोग इस आयोजन को रोकने की कोशिश कर रहे थे और इसके लिए उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गए थे। उन्होंने कहा, लेकिन शीर्ष अदालत ने ऐसे प्रयासों पर रोक लगा दी।''

'त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड' (टीडीबी) के अध्यक्ष पी.एस. प्रशांत के अनुसार, इस कार्यक्रम में 15 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। साथ ही भारत के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु भी इसमें शामिल होंगे, जिनमें तमिलनाडु से लगभग 1,000 श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा दल आएगा। यह कार्यक्रम बोर्ड की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जा रहा है।

ईशा ग्रामोत्सवम 2035 का ग्रैंड फिनाले कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। ईशा संस्थान के प्रमुख सद्गुरु, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया, दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल, शतरंज ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू और पैरालंपियन भाविना पटेल भारत के सबसे बड़े ग्रामीण खेल महोत्सव, ईशा ग्रामोत्सवम के 17वें संस्करण के ग्रैंड फिनाले की शोभा बढ़ाएंगे। ग्रैंड फिनाले 21 सितंबर को प्रतिष्ठित आदियोगी, ईशा योग केंद्र, कोयंबतूर में आयोजित किया जाएगा और ईशा फाउंडेशन के यूट्यूब चैनल पर इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

ग्रैंड फिनाले में अंतिम मुकाबले से पहले, 19 और 20 सितंबर को सेमी-फाइनल में ग्रामीण भारत की 24 पुरुष वॉलीबॉल और 18 महिला थ्रोबॉल टीमें खेली। खेलों में विविधता के सच्चे उत्सव के रूप में, फिनाले में दिव्यांग एथलीटों के लिए एक पैरा-वॉलीबॉल प्रतियोगिता भी होगी। वर्ष 2004 में सद्गुरु द्वारा शुरू किया गया, ईशा ग्रामोत्सवम का उद्देश्य ग्रामीण लोगों के जीवन में खेल और चंचलता की भावना लाना है। अपने प्रारूप में अनोखा, ईशा ग्रामोत्सवम पेशेवरों के लिए खुला नहीं है, और दैनिक मज़दूरों, मछुआरों और गृहिणियों सहित रोज़मर्रा के ग्रामीण लोगों को अपनी दैनिक दिनचर्या से बाहर निकलकर खेलों की उल्लासपूर्ण और एकजुट करने वाली शक्ति का आनंद लेने का अवसर प्रदान करता है।

सोशल मीडिया द पर सद्गुरु ने व्यक्त किया, यह सबसे सराहनीय बात है कि ईशा ग्रामोत्सवम के इस संस्करण में 12,227 महिलाएँ भाग ले रही हैं। उनमें से कई ने 8 या 10 साल की उम्र के बाद से कोई खेल नहीं खेला है, कुछ ने तो अब तक अपने जीवन में कभी गेंद को छुआ भी नहीं है। खेल में उनकी उत्साहपूर्ण और बेफिक्र भागीदारी देखना आनंददायक है।

फिनाले के साथ-साथ, एक रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी जो जनता के लिए खुली है। विजेता को सद्गुरु से 33,000 रुपये मिलेंगे, और सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार के रूप में एक साड़ी मिलेगी। 25 से अधिक पारंपरिक खेल - जैसे पल्लांगुझी, मणि नाडई, फिसलन भरे खंभे पर चढ़ना, और मटका फोड़ना - भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें सभी के लिए मुफ्त प्रवेश होगा। ईशा आउटरीच को, जो ईशा ग्रामोत्सवम का आयोजन करता है, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन संगठन के रूप में मान्यता दी गई है। सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, ओलंपिक पदक विजेता राज्यवर्धन सिंह राठौर और कर्णम मल्लेश्वरी जैसी खेल हस्तियाँ पहले इस खेल महोत्सव के फाइनल में विशेष अतिथि के रूप में भाग ले चुकी हैं। नीरज चोपड़ा, मिताली राज, पीवी सिंधु, शिखर धवन और जवगल श्रीनाथ ने ईशा ग्रामोत्सव के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है।

तीन दिवसीय पाककला ओलंपियाड के सातवें संस्करण का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ग्रींडी स्थित चेन्नई ट्रेड सेंटर में एसआईसीए (सीका) द्वारा आयोजित पाककला ओलंपियाड एवं खाद्य प्रतियोगिता 2025 के सातवें संस्करण का शुभारंभ तमिलनाडु के पर्यटन मंत्री आर. राजेंद्रन शेफ दामू एवं शेफ सीताराम द्वारा भव्य तरीके से किया गया।

इस आयोजन में देश भर से तीन हज़ार से अधिक शेफ तथा मालदीव मॉरीशस श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया की अंतरराष्ट्रीय टीमें भारत समर्थित पाककला प्रतियोगिता में भाग ले रही है। यह आयोजन आहार अंतरराष्ट्रीय खाद्य मेला 2025 के क्षेत्रीय संस्करण के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है जिसे भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) तथा तमिलनाडु व्यापार संवर्धन संगठन (टीएनटीपीओ) द्वारा समर्थन प्राप्त है।

इरोड में 18 जंगली सूअरों को कुएं से बाहर निकाला गया

इरोड। अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मियों ने एंथियूर के निकट 70 फुट गहरे कुएं में गिरे 18 जंगली सूअरों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार दोपहर एंथियूर के पास माइकल पलायम वन क्षेत्र के एक कुएं में कुछ जंगली सूअरों के गिर जाने की सूचना मिलने पर अग्निशमन एवं बचाव कर्मियों का एक दल मौके पर पहुंचा और मुथुरमन नामक व्यक्ति के स्वामित्व वाले कुएं में 18 जंगली को सूअरों देखा। उन्होंने कहा कि सभी जंगली सूअरों को कुएं से निकालने में दो घंटे से ज्यादा समय लगा और वन अधिकारियों की मदद से बाद में सभी 18 जंगली सूअरों को एंथियूर के जंगल में छोड़ दिया गया।

तमिलनाडु के एंथियूर जंगल में बाघ मृत पाया गया

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले में एंथियूर वन क्षेत्र में दस साल का बाघ मृत पाया गया। वन अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। थानथाई पेरियार वन्यजीव अभयारण्य, एंथियूर के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को एंथियूर वन रेंज के किनाथाडी हनुमान मंदिर क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान वन कर्मियों को झाड़ी में बाघ मृत मिला और अवशेष क्षतविक्षत हालत में थे। अधिकारियों ने बताया कि वन कर्मियों ने वन पशुचिकित्सक डॉ. कार्तिक को मौके पर बुलाया। उन्होंने अवशेष की जांच की और बताया कि उसकी मौत शायद दस दिन पहले हुई और वह लगभग दस साल का था। शव को पोस्टमार्टम के लिए चेन्नई भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत का कारण का पता चल पाएगा।

भाजपा पार्षद तिरुवनंतपुरम में अपने कार्यालय में फंदे से लटके मिले

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भाजपा के नेता एवं नगर निगम पार्षद शनिवार सुबह अपने कार्यालय कक्ष में फंदे से लटके पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। तिरुमला वार्ड से पार्षद के.अनिल कुमार सुबह नौ बजे फंदे से लटके पाए गए और यह आत्महत्या का संदिग्ध मामला है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। लोगों ने कहा कि अनिल कुमार को सुबह कार्यालय में देखा गया था और बाद में वह मृत पाए गए। टेलीविजन चैनलों की रिपोर्ट के अनुसार, वह अपने नेतृत्व वाली एक सहकारी समिति में वित्तीय समस्याओं को लेकर कुछ समय से परेशान थे। रिपोर्ट में दावा किया कि उनके शव के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें भाजपा नेताओं के खिलाफ टिप्पणियां हैं। हालांकि, पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि सुसाइड नोट बरामद हुआ है या नहीं।

'विजयन नकली भक्त' हैं, चुनाव के लिए किया जा रहा अयप्पा संगमम का आयोजन : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने शनिवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को नकली भक्त'' करार देते हुए आरोप लगाया कि आगामी चुनाव को ध्यान में ''रखकर'' अयप्पा संगमम का आयोजन किया जा रहा है। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अयप्पा संगमम का आयोजन किया जा रहा है।

कोठामंगलम में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सतीशन ने पत्रकारों के साथ बातचीत में दावा किया, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने उद्घाटन के बाद एक नकली भक्त की तरह बात की। यह भक्ति, जो कभी उनपर फिट नहीं बैठी, आगामी चुनाव को ध्यान में रखकर रची गई एक चाल मात्र है। वह पुलिस की मदद से सबरीमला में हुए अत्याचारों को छिपा रहे हैं, अपने कार्यकाल के दौरान परंपराओं का उल्लंघन कर रहे हैं।

विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में महिलाओं के प्रवेश और भक्तों पर दर्ज मामलों को वापस लेने से जुड़े हलफनामे को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला है।

मनीष एरी ने वेलिंगटन के नए कमांडेंट की जिम्मेदारी संभाली

चेन्नई। रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) वेलिंगटन की कमान गुरुवार को लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी ने संभाल ली। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स, वाईएसएम, एसएम, वीएसएम का स्थान लिया, जिन्होंने पिछले तीन सालों में इस प्रमुख त्रि-सेवा संस्थान में शैक्षणिक स्तर को बेहतर करने, संयुक्त प्रशिक्षण को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग को मजबूत करने में अहम योगदान दिया। डीएसएससी की स्थापना 1905 में क्वेटा (अब पाकिस्तान में) में हुई थी और 1947 में इसे तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के वेलिंगटन में शिफ्ट कर दिया गया। यह भारत का सबसे बड़ा त्रि-सेवा प्रशिक्षण केंद्र है, जो भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के चुने हुए अधिकारियों के साथ-साथ मित्र देशों के अधिकारियों को नेतृत्व, रणनीति, समन्वय और स्टाफ कार्यों की बारीकियां सिखाता है। हाल ही में अपने 77 साल के शानदार सफर को पूरा करने के बाद, यह कॉलेज भविष्य के सैन्य नेताओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1988 में 9वीं जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री में कमीशन मिला। वे डीएसएससी के भी पुराने छात्र हैं और अपने करियर में सभी पेशेवर कोर्स में शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पास भारतीय सेना में 37 साल का व्यापक अनुभव है। उन्होंने उत्तरी ग्लेशियर, पूर्वी लद्दाख के चुशुल में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बटालियन की कमान संभाली, माउंटेन स्ट्राइक कोर के तहत इन्फैंट्री ब्रिगेड का गठन किया, माउंटेन डिवीजन और गजराज कोर की कमान संभाली। उनकी प्रमुख स्टाफ नियुक्तियों में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में महानिरीक्षक (संचालन), दक्षिण पश्चिमी कमान में चीफ ऑफ स्टाफ और रक्षा मंत्रालय में सामरिक योजना महानिदेशक शामिल हैं। कमान संभालते वक्त लेफ्टिनेंट जनरल एरी ने डीएसएससी के असैन्य कर्मचारियों और स्थानीय लोगों का आभार जताया, जिन्होंने कॉलेज को सहयोग दिया। उन्होंने वादा किया कि वे कॉलेज को व्यावसायिक सैन्य शिक्षा और संयुक्त कौशल के केंद्र के रूप में और मजबूत करेंगे।

'एसबीआई - नम्मा ड्रीम होम एक्सपो 4.0' का उद्घाटन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसबीआई होम लोन्स ने क्रेडाई चेन्नई के सहयोग से शनिवार को चेन्नई ट्रेड सेंटर में 'एसबीआई - नम्मा ड्रीम होम एक्सपो 4.0', होम लोन और संपत्ति प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस एक्सपो का उद्घाटन टीएनआरईआरए के अध्यक्ष शिवदास मीणा ने किया। कार्यक्रम में एसबीआई के उप महाप्रबंधक पेनुधर बरही, प्रसाद एलकेएमवी नोरी और रोहित कमल शाह भी मौजूद थे। विशिष्ट अतिथि क्रेडाई चेन्नई अध्यक्ष एवं साउथ इंडिया शेल्टर्स प्रा.लि. के प्रबंध निदेशक ए मोहम्मद अली, क्रेडाई राष्ट्रीय के कार्यकारी समिति सदस्य एवं साबरी फ़ाउंडेशन्स प्रा.लि. के अध्यक्ष एस श्रीधरन तथा क्रेडाई चेन्नई के पूर्व अध्यक्ष एस शिवगुरुनाथन थे।

देश में माचिस के क्षेत्र में माचिस उद्योग संघ का बड़ा योगदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोविलपट्टी। तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले में राष्ट्रीय लघु माचिस निर्माता संघ और वैश्विक सुरक्षा माचिस उद्योग संघ द्वारा आयोजित माचिस उद्योग शताब्दी समारोह में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहीं।

उन्होंने तमिलनाडु में माचिस उद्योग के योगदान की सराहना की। यह उद्योग भारत के माचिस उत्पादन में 90 प्रतिशत योगदान देता है और लगभग 2 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिनमें से 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि तमिलनाडु में लघु उद्योगों का प्रतीक यह उद्योग केंद्र सरकार के सहयोग से वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करेगा।

इस मौके पर तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंथ्रन, भाजपा राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं विधायक वानती श्रीनिवासन, तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश महासचिव प्रो. श्री रामा श्रीनिवासन और अन्नाद्रमुक कोविलपट्टी विधायक कदम्बुर राजू ने इस अवसर पर भाग लिया।

उद्योग संघ द्वारा आयोजित प्राचीन समय और आज के समय की माचिस प्रदर्शनी का दौरा भी वित्त मंत्री ने किया।

प्रदर्शनी में प्राचीन माचिसों का एक दुर्लभ संग्रह प्रदर्शित किया गया था, जो माचिस उद्योग के इतिहास और विकास को दर्शाता है। यह कोविलपट्टी के माचिस उद्योग के महत्व और इस उद्योग में शामिल छोटे निर्माताओं के योगदान को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन मंच रहा।

डबल इंजन की सरकार वागड़ क्षेत्र का कर रही बुनियादी विकास : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वागड़ के बुनियादी विकास के लिए डबल इंजन की सरकार को कृतसंकल्पित बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं और बांसवाड़ा-डूंगरपुर सहित सम्पूर्ण आदिवासी क्षेत्र में गरीब कल्याण एवं विकास योजनाओं के माध्यम से स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। जिससे उनका जीवनस्तर भी बेहतर बन रहा है।

शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा के कुशलबाग क्रिकेट स्टेडियम में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन तथा निक्षय पोषण किट का वितरण किया और इस अवसर पर आमजन को संबोधित करते हुए यह बात कही।उन्होंने कहा कि मोदी के जन्मदिन पर गत 17 सितंबर से राज्य सरकार प्रदेश में शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन कर रही है। इन शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है तथा जनोपयोगी कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'राजस्थान धर्मांतरण विरोधी विधेयक' लाई है। इस कानून से बहला फुसलाकर तथा जबरन धर्मांतरण जैसे मामलों पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान एक राष्ट्रीय संकल्प है। इसलिए किसी भी व्यक्ति को खांसी, बुखार, वजन कम होना, सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत शिविरों में जाकर जांच करवाकर इलाज लें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत माताओं-बहनों को शिविरों में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर समेत एनीमिया, टीबी और सिकल सेल जैसी बीमारियों की जांच भी की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि शहरी सेवा शिविर में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तत्काल बन रहे हैं। साथ ही पेंशन योजनाओं में नाम दर्ज कराने से लेकर राशन कार्ड बनवाने तक, सभी काम शिविरों में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहरों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। ब्लैक स्पॉट खत्म करने और सड़कों, नालियों तथा सीवर लाइनों की मरम्मत करने जैसे कार्य भी इन शिविरों के तहत करवाए जा रहे हैं। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को ठीक किया जा रहा है, नमो पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर में स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टे देने तथा किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी कराने जैसे कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण की सुविधा भी उपलब्ध हो रही है। साथ ही स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, छात्रावासों एवं सड़कों की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहरी सेवा शिविर के लाभार्थियों से संवाद कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान शर्मा ने सभी से अपील करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़े का लाभ उठाएं और अपने आस-पास के लोगों को भी इन शिविरों से जोड़ें।

निकाय चुनाव कराने को सरकार तैयार है : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा है कि सरकार निकाय निगम चुनाव कराने के लिए तैयार है, निर्वाचन आयोग जब चाहे चुनाव करा ले। खर्रा ने शनिवार को राजस्थान में अलवर में पत्रकारों से कहा कि निर्वाचन आयुक्त ने कहा था कि राज्य में नवम्बर या दिसम्बर के शुरुआत में मतदाता सूची अद्यतन कर ली जायेगी। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी तीन महीने का समय मांगा है । उसकी रिपोर्ट आने में तीन महीने लग जायेंगे। वह रिपोर्ट भी दिसम्बर के पहले सप्ताह तक आ जाएगी। उसके बाद निर्वाचन आयोग चुनाव करा ले।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी तैयारियां कर ली हैं। नगर निकायों के चुनाव सीधे कराने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो वर्तमान में व्यवस्था है, उसी आधार पर चुनाव हो सकते हैं। अगर बदलाव किया जायेगा तो शिविरों के बाद जन प्रतिनिधियों से सलाह मशवरा करके मंत्रिमंडल की बैठक में जो भी निर्णय होगा उस आधार पर चुनाव कराये जायेंगे। राज्य भर में लग रहे शिविरों को लेकर खर्रा ने कहा कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक ये शिविर लग रहे हैं, जिनमें आमजन से संबंधित सभी कार्य हो रहे हैं। सभी कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं। किसी को भटकने की जरूरत नहीं है। जो अशिक्षित हैं, वे शिविर में जाकर अपना काम करा सकते हैं। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिया गया है। पट्टों के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी को मुफ्त पट्टे की योजना नहीं है। विगत सरकार में पट्टों के नाम पर गलत लोगों को फायदा पहुंचाया गया था। गलत नियम बनाकर दूसरे को फायदा दिया गया। जरूरतमंदों को कोई फायदा नहीं मिला। मंदिर माफी की जमीन को लेकर उन्होंने कहा कि मंदिर माफी की जमीन को लेकर कानूनी वजह से बेचान किया गया था, लेकिन अब नहीं। अब कोई शिकायत आती है तो कार्रवाई की जायेगी।

सनातन संस्कृति की धड़कन है संस्कृत : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संस्कृत को सनातन संस्कृति की धड़कन और मानव सभ्यता की नींव बताते हुए कहा है कि यह संपूर्ण विश्व की उत्कृष्ट भाषा एवं भारतीय और यूरोपीय भाषाओं के साथ ही विश्व की अनेक भाषाओं की जननी भी है। देवनानी शनिवार को यहां मानसरोवर स्थित परिष्कार कॉलेज में संस्कृत भारती द्वारा आयोजित भविष्याय संस्कृतम विषय पर आयोजित संभाषण शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा में नवनिर्वाचित इक्कीस विधायकों ने संस्कृत भाषा में शपथ ली थी जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संस्कृत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अभिनव प्रयास है। इससे युवा पीढ़ी का जुड़ाव संस्कृत के प्रति बढ़ रहा है। यह जुड़ाव ही भविष्य के लिए संस्कृत का परिचायक है। देव भाषा और विज्ञान की भाषा के साथ संस्कृत जनवाणी है। देवनानी ने कहा कि संस्कृत में ज्ञान के भंडार हैं। ऋषि मुनियों द्वारा आरंभ की गई यह देव भाषा, विज्ञान की भाषा के साथ जनवाणी है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसे ग्रंथों ने संस्कृत भाषा को घर-घर पहुंचाकर जनवाणी बनाया है। जर्मन के वैज्ञानिक संस्कृत के ग्रंथों का अध्ययन कर अनुसंधान और आविष्कार कर रहे हैं। विज्ञान की दृष्टि से कंप्यूटर के लिए संस्कृत भाषा को उत्कृष्ट माना गया है। तकनीकी में इसकी उपयोग के लिए नासा द्वारा अनुसंधान किया जा रहे हैं।

राहुल गांधी विध्वंस की राजनीति करना चाहते हैं : खर्रा

अलवर/दक्षिण भारत । राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वास्थ्य शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि गांधी देश में विध्वंस की राजनीति करना चाहते हैं, लेकिन वह सफल नहीं होंगे। खर्रा ने राजस्थान में अलवर में शनिवार को पत्रकारों से कहा कि गांधी ने दो दिन पहले कहा था कि संविधान की रक्षा करना उनका दायित्व नहीं है। वह युवाओं को उकसाकर श्रीलंका, पाकिस्तान, बंगलादेश और नेपाल जैसी स्थिति भारत में पैदा करवाना चाहते हैं।

वह भारत में विध्वंस की राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनके बयानों को गंभीरता से लिया जा रहा है और कानून के अनुसार जो भी होगा किया जायेगा। झालावाड़ में स्कूल भवन गिरने की घटना के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर आम व्यक्ति चाहे तो ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो सकती। हर विद्यालय में विकास और प्रबंध समिति बनी होती है, जिसमें ग्रामीणों की सहभागिता होती है। इसकी हर महीने बैठक होनी चाहिए। हर समिति उन भवनों का हर वर्ष निरीक्षण भी करे तो क्षतिग्रस्त भवनों का पता तभी चल जाता। उनकी समय पर मरम्मत हो जाये, तो झालावाड़ जैसी घटनाओं से बचा जा सकता है।

उच्च सुरक्षा वाली जेल से दो कैदी दीवार फांदकर फरार

जयपुर। जयपुर की उच्च सुरक्षा वाली जेल से दो कैदी शनिवार सुबह रबर पाइप की मदद से 27 फुट ऊंची दीवार और करंट वाले तार को फांदकर फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों चोरी के आरोप में सजा काट रहे थे जिनकी पहचान नवल किशोर महावर और अनस कुमार के रूप में हुई है। सहायक पुलिस आयुक्त नारायण कुमार ने बताया कि कैदियों ने कड़ी सुरक्षा वाली दीवार पर चढ़ने के लिए रबर पाइप का इस्तेमाल किया और इसके बाद वे करंट वाले तार को फांदकर फरार हो गए। रबर पाइप को आमतौर पर कड़ी सुरक्षा में रखा जाता है।

प्रदर्शन आधारित परीक्षा का सफल आयोजन, 152 अधिकारियों ने दी परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान लेखा सेवा परिषद, जयपुर ने पारंपरिक वरिष्ठता-आधारित प्रणाली से आगे बढ़ते हुए शनिवार को एक अभिनव पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैभव गलरिया, प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग ने संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कानून, नियम या प्रावधान की व्याख्या करते समय हमें सरकार के बड़े उद्देश्य और जनकल्याण को प्राथमिकता में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे सुप्रीम कोर्ट भी संविधान और कानून का इंटरप्रिटेशन करता है, वैसे ही हमें अपने स्तर पर नियमों की व्याख्या आमजन को त्वरित राहत दिलाने और योजनाओं को धरातल पर शीघ्र लागू करने की सोच के साथ करनी चाहिए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सेवा का नाम बदलने के बिंदु पर विभाग द्वारा विचार किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर आयोजन के लिए साधुवाद दिया और विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

परिषद अध्यक्ष ललित वर्मा ने कहा कि अब समय की आवश्यकता है कि अधिकारियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए परिषद द्वारा राजस्थान लेखा सेवा अधिकारियों के लिए मंथन-2025 विशेष प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई। यह परीक्षा आरटीपीपी अधिनियम, 2012 एवं नियम, 2013 पर आधारित थी। कार्यक्रम का आयोजन एचसीएम रीपा, जयपुर में किया गया। परीक्षा में 152 अधिकारियों ने सम्पूर्ण राजस्थान से भाग लिया, जो क्षमता निर्माण, ज्ञान वृद्धि और योग्यता आधारित मान्यता के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल का उद्देश्य ज्ञान-आधारित प्रदर्शन को सीधे प्रोत्साहन और मान्यता से जोड़ना है। इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ तीन प्रदर्शनकर्ताओं को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन-अवसर (दुबई) प्रदान किया जाएगा।

कांग्रेसियों को उनके वर्तमान नेता से मिले भाषा के संस्कार : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि कांग्रेसी नेता जिस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं, उनको यह संस्कार वर्तमान में जो उनके नेता हैं, उनसे मिले हैं। शेखावत ने शनिवार को यहां अपने आवास पर जनसुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत में जोधपुर कांग्रेस जिला अध्यक्ष की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर टिप्पणी से संबंधित सवाल पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान में इस तरह की भाषा को मान्यता नहीं दी। उन्होंने लोकतंत्र में शुचिता और पवित्रता बनी रहे, ये बात कही। महात्मा गांधी, जिनके आदर्शों पर भारत के लोकतंत्र की नींव रखी गई, उन्होंने जीवन में संयम और वाणी में संयम की बात कही।

मानसून की विदाई के बीच भारी बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान में मानसून की विदाई के बीच राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार से शुरू हुई बारिश शुक्रवार देर शाम तक जारी रही और उदयपुर, कोटा, भरतपुर और जयपुर संभाग के कई जिलों में बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने सप्ताहांत में आठ जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में भीलवाड़ा के बिजोलिया में 100 मिलीमीटर, बूंदी के नैनवा में 86 मिलीमीटर, सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा में 50 मिलीमीटर, मांडलगढ़ में 52 मिलीमीटर, फुलिया कलां में 51 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा कि सप्ताहांत में बूंदाबारी जारी रहने की संभावना है।

भू-माफिया 300 से अधिक प्राथमिकी के बावजूद गिरफ्तारी से बच रहा, छापेमारी के बाद फिर से न्याय की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। व्यवसायी ज्ञानचंद अग्रवाल और उसके सहयोगियों पर हाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद, संपत्ति की कथित धोखाधड़ी के पीड़ितों ने फिर से न्याय की मांग करते हुए कहा कि एक साल से भी अधिक समय पहले अदालती हस्तक्षेप के जरिये दर्ज किये गए उनके मामलों में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जमीन धोखाधड़ी के सिलसिले में अग्रवाल के खिलाफ 300 से अधिक प्राथमिकी दर्ज हैं। ईडी ने अग्रवाल और उनके सहयोगियों से जुड़े बड़े पैमाने पर जमीन धोखाधड़ी के मामलों में तीन और चार सितंबर को जयपुर में कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। ये छापेमारी राजस्थान पुलिस द्वारा दर्ज कई प्राथमिकियों पर आधारित थीं। इन प्राथमिकियों में अग्रवाल पर जाली दस्तावेज तैयार करने और एक ही भूखंड कई खरीदारों को बेचकर निवेशकों से 150 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप लगाया गया था।

शिकायतकर्ताओं में से एक, मनोज कुमावत ने कहा कि उन्होंने 2016 में अग्रवाल से भूखंड खरीदे थे, लेकिन बाद में पता चला कि रजिस्ट्री किसी और के नाम पर कर दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया, मैंने पुलिस को सूचित किया था कि कुछ लोग मेरी जमीन पर अतिक्रमण करके चहारदीवारी बना सकते हैं। महीनों तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और इसी बीच चहारदीवारी खड़ी कर दी गई। बाद में पुलिस कहती रही कि वे रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, लेकिन किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। मुझे फोन पर भी बार-बार धमकियां मिल रही हैं। यह एक गिरोह है।

एक अन्य पीड़ित, हनुमान चौधरी ने बताया कि उन्होंने 2006 में जमीन खरीदी थी, लेकिन बाद में उसकी रजिस्ट्री किसी और के नाम कर दी गई। धन्नालाल चौधरी ने आरोप लगाया कि उन्हें भी धमकियां दी गईं। उन्होंने कहा, अगर मेरे नाम पर कोई जाली दस्तावेज हैं, तो मुझे जेल भेज दीजिए।

एक साल से मामला बिना सुनवाई के लंबित है। अगर मुझे कुछ हुआ, तो ये लोग जिम्मेदार होंगे। यहां तक कि सरकार भी जवाबदेह होगी। एक अन्य पीड़ित, रामावतार महर्षि ने भी इसी तरह की चिंताएं जताईं।ईडी के अधिकारियों ने बताया कि तब से राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई निवेशक एजेंसी से संपर्क कर रहे हैं और अपनी बकाया राशि की वसूली समेत कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

एक ईडी अधिकारी ने कहा, हमें निवेशकों के कॉल आए हैं। कुछ तो हमारे कार्यालय भी आए। निवेशकों ने बताया कि कैसे अग्रवाल और उनके सहयोगियों ने उन्हें लुभावने सौदों का झांसा देकर ठगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (विशेष अभियान समूह और आतंकवाद रोधी दस्ता) वी. के. सिंह ने कहा कि जमीन धोखाधड़ी के मामलों की जांच अब भी विशेष अभियान समूह के पास है। उन्होंने कहा, एसओजी (विशेष अभियान समूह) लोगों के साथ धोखाधड़ी में शामिल आरोपियों पर शिकंजा कसेगी। अग्रवाल को एसओजी ने 2009 में गिरफ्तार किया था। जयपुर दक्षिण के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजर्षि राज वर्मा ने कहा कि जमीन धोखाधड़ी के सिलसिले में अग्रवाल के खिलाफ 300 से अधिक प्राथमिकी दर्ज हैं। उन्होंने कहा, इनकी जांच चल रही है।

समय-समय पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के अलावा इन मामलों में भी कार्रवाई की जाएगी। नारायण समूह के मालिक अग्रवाल के पास कई कंपनियों और एलएलपी (सीमित दायित्व साझेदारी) के माध्यम से हासिल की गई काफी जमीन है। अग्रवाल पर निवेशकों के साथ धोखाधड़ी, भूमि की बिक्री में धोखाधड़ी और जमीन का अतिक्रमण समेत कई आरोपों के तहत मामले दर्ज हैं।

पाली जिले के सुमेरपुर ब्लॉक की वन भूमि पर लगाए 12 हजार पौधे

जयपुर। देशभर में चलाए जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पाली जिले के सुमेरपुर ब्लॉक की वन भूमि पर 12 हज़ार पौधे लगाए गए हैं। इसकी पालना में पशुपालन, गोपालन, डेयरी तथा देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत के निर्देशानुसार वन विभाग ने दुजाना व सांडेराव सहित वन भूमि पर ये पोधारोपण किया। मंत्री कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश में पोधारोपण किया जा रहा है। ग्राम सेवा शिविरों के दौरान भी हर शिविर में 75 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वन विभाग पूरी सक्रियता से काम कर रहा है।

उन्होंने बताया कि इसी के तहत सुमेरपुर पंचायत समिति की सभी 30 ग्राम पंचायतों में शिविर के दौरान पौधे लगाए जाएँगे। अब तक जवाई बाँध, पोमावा, कोलीवाड़ा, गलथनी, बलाना, गोगरा, पावा व खिवंदी ग्राम पंचायत में आयोजित शिविरों में पोधारोपण किया गया है। इसके तहत खेजड़ी, बेर, जामुन, नीम व अमलतास के पौधे लगाए गए हैं । उन्होंने बताया कि सभी विभागों के अधिकारियों को अधिकाधिक पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अधिकारियों को गोचर भूमि एवं सरकारी भूमि पर नमो पार्क विकसित के लिए भूमि तलाशने के निर्देश दिए गए हैं । भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने के लिए भी कहा गया है।

अच्छी पुस्तक हमारी योग्य मार्गदर्शक और जीवन का पथ प्रदर्शक होती है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अच्छी पुस्तक योग्य मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे जीवन का पथप्रदर्शक होती है और जीवन को आगे बढ़ाती है।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित चौथे गोमती पुस्तक मेले के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही और उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने स्कूली छात्राओं और आंगनबाड़ी दीदीयों को पुस्तकें भेंट की। उन्होंने कहा, अच्छी पुस्तक योग्य मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे जीवन का पथप्रदर्शक होती है और जीवन को आगे बढ़ाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा, अगले नौ दिन तक लखनऊ विश्वविद्यालय में पुस्तक मेला चलेगा और यहां आने वाले पाठक ज्ञान व साहित्य के महाकुंभ का अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने बच्चों और युवाओं से स्मार्टफोन पर समय कम बिताकर कम से कम एक घंटा रचनात्मक और ज्ञानवर्धक पुस्तकों को पढ़ने की अपील की। मुख्यमंत्री ने भारतीय मनीषियों और ऋषियों का उदाहरण देते हुए कहा, हमारे यहां याज्ञवल्क्य जैसे ऋषियों ने समाज को ज्ञान का मार्ग दिखाया। उन्होंने याज्ञवल्क्य ऋषि और उनकी

पत्नियों कात्यायिनी व मैत्रेयी का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि ज्ञान की खोज जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की सराहना करते हुए कहा कि इसने लगातार गोमती बुक फेस्टिवल की परंपरा को आगे बढ़ाया है। इस वर्ष के मेले में ढाई सौ से अधिक स्टॉल हैं, जिनमें बाल रचनाकारों से लेकर प्रख्यात लेखकों की पुस्तकें विभिन्न भाषाओं में प्रदर्शित और बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को 'एग्जाम वॉरियर्स' पुस्तक भेंट की, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा लिखा गया है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे इस पुस्तक के सभी बिंदुओं का अध्ययन करें तो किसी भी परीक्षा या प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करना आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए तक्षशिला विश्वविद्यालय, पाणिनी, सुश्रुत और ब्रह्मवेत्ताओं की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि तक्षशिला का नाम भगवान राम के भाई भरत के पुत्र तक्ष के नाम पर रखा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पढ़ना और आगे बढ़ना भारत की परंपरा रही है और प्रधानमंत्री के विचार 'वेन सिटिजन रीड्स, कंट्री लीड्स' इसी संदेश का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि और तुलसीदास जी की मौलिक रचनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मौलिक रचनाएं न केवल अमर होती हैं, बल्कि रचयिता को भी अमर बना देती हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अच्छी पुस्तकों का अध्ययन अवश्य करें। उन्होंने स्वस्थ नारी, सशक्त समाज के संदेश को भी दोहराया और कहा कि यदि महिलाएं स्वस्थ होंगी तो समाज और राष्ट्र सशक्त होंगे। योगी लखनऊ के सभी स्कूलों के बच्चों से अपील की कि वे इस पुस्तक मेले में आएं और हर छात्र कम से कम एक पुस्तक जरूर खरीदें।

झारखंड में कुड़मी समाज के आंदोलन के कारण रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में कुड़मी समाज ने अपने समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर शनिवार सुबह विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 'रेल रोको' आंदोलन शुरू कर दिया जिससे रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू की है, इसके बावजूद यह आंदोलन किया जा रहा है।

'आदिवासी कुड़मी समाज' (एकेएस) के बैनर तले प्रदर्शनकारी रांची के राय स्टेशन, गिरिडीह के पारसनाथ और बोकारो जिले के चंद्रपुरा स्टेशन पर रेल पटरियों पर बैठे देखे गए। रेलवे द्वारा जारी बयान के अनुसार, आदिवासी कुड़मी समाज के आंदोलन के कारण दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं। इसमें कहा गया, हटिया-बर्धमान मेमू और टाटानगर-गुआ-टाटानगर मेमू समेत कम से कम तीन ट्रेन रद्द कर दी गई हैं, एक की गंतव्य से पहले ही यात्रा समाप्त कर दी गई है और चार रेल सेवाओं को अलग-अलग स्टेशनों पर रोका गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मी प्रदर्शनकारियों को शांत कराने और रेलवे पटरी खाली कराने की कोशिश कर रहे हैं। ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) समेत कई राजनीतिक दलों ने कुड़मियों के प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है। आंदोलन के मद्देनजर रांची प्रशासन ने जिले के विभिन्न स्टेशनों के 300 मीटर के दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर : प्रशांत भूषण

पटना/भाषा। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने शनिवार को आरोप लगाया कि बिहार की नीतीश कुमार सरकार में ''भ्रष्टाचार चरम पर'' है। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि भागलपुर में प्रस्तावित विद्युत परियोजना के लिए एक बड़े औद्योगिक घराने को 1,000 एकड़ जमीन 30 सालों के लिए महज एक रुपए वार्षिक किराये पर पट्टे पर दे दी गई है।

भूषण ने यहां प्रेसवार्ता में भागलपुर में लगने वाली एक बिजली परियोजना का ज़िक्र करते हुए कहा कि एक व्यावसायिक समूह ने कथित तौर पर केवल एक रुपए प्रति वर्ष की दर पर 30 साल का पट्टा हासिल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की राजग सरकार एक ऐसे सौदे की सहमति दे दी है जिससे राज्य के खजाने को ''लगभग 5,000 करोड़ रुपए का वार्षिक नुकसान होगा। उन्होंने ठेका देने में ''बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार'' का संदेह जताया। उन्होंने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में ''पारदर्शिता और निष्पक्षता'' की जरूरत बताते हुए सुझाव दिया कि प्रभावित लोगों को पर्याप्त मुआवजा दिलाने के लिए एक आयोग का गठन किया जाना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने इसी हफ्ते यहां मार्च निकाला था, लेकिन राज्य के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने किसी भी तरह की अनियमितता से इनकार किया है। मंत्री ने दावा किया कि चार बोलीदाताओं में से कंपनी ने उपभोक्ताओं को सबसे कम दर पर बिजली देने का वादा किया था, इसलिए उसे अनुबंध दिया गया। भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने अभियानों के लिए चर्चित भूषण ने राज्य में चल रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान में भी गड़बड़ियों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैंने आज एक संगोष्ठी को संबोधित किया, जहां एक स्थानीय शिक्षाविद ने बताया कि शेखपुरा जिले के एक विधानसभा क्षेत्र में नौ मुस्लिम मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए हैं। उनके नाम न तो मसौदा मतदाता सूची में हैं और न ही ऐसे उन 65 लाख मतदाताओं की सूची में, जिन्हें मृत, अनुपस्थित और अन्य पलायन कर चुके मतदाता घोषित किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार के गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर में पिंड दान किया

गयाजी (बिहार)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने पूर्वजों की आत्मा की मुक्ति के लिए बिहार के गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर में पिंड दान किया। विष्णुपद मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल ने बताया कि राष्ट्रपति ने पूजा स्थल पर पिंडदान और जल तर्पण किया।

पत्रकारों से बात करते हुए विट्ठल ने कहा, राष्ट्रपति ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए फल्गु नदी के तट पर और विष्णुपद मंदिर में पिंड दान और जल तर्पण किया। ऐसा माना जाता है कि पिंड दान करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति और मोक्ष प्राप्त होता है। हर साल पितृ पक्ष के दौरान बड़ी संख्या में हिंदू श्रद्धालु अनुष्ठान करने के लिए विष्णुपद मंदिर आते हैं।

इससे पहले गयाजी हवाई अड्डे पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और राज्य मंत्री प्रेम कुमार ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति की गयाजी यात्रा के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

असम सरकार गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच कराएगी : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह को गर्ग की मौत के मामले में राज्य भर में दर्ज कई प्राथमिकियों को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को स्थानांतरित करने और गहन जांच के लिए एक समेकित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

शर्मा ने कहा कि उन्होंने भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग से भी बात की है और गायक की मौत की परिस्थितियों की विस्तृत जांच का अनुरोध किया है। पहली प्राथमिकी 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल' के आयोजक श्यामकानु महंत और गायक के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ मोरीगांव थाने में दर्ज की गई और इसमें आरोप लगाया गया कि वे (आरोपी) 'एक साजिश के तहत जुबीन को गाने के बहाने विदेश ले गए लेकिन उनका मकसद उसे मारना था। उन्होंने बताया कि तब से, राज्य भर में कई प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारे प्रिय ज़ुबीन गर्ग के दुर्भाग्यपूर्ण और असामयिक निधन के संबंध में श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

मैंने पुलिस महानिदेशक को सभी प्राथमिकियों सीआईडी को सौंपने और गहन जांच के लिए एक समेकित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। शर्मा ने कहा, असम पुलिस जुबीन गर्ग की मौत की जांच करेगी और महंत व शर्मा दोनों के साथ-साथ गायक के अंतिम क्षणों में उनके साथ मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जाएगी। उन्होंने कहा, ऐसी खबरें हैं कि गर्ग को घटना से एक रात पहले एक पार्टी में ले जाया गया था और हम इसकी सत्यता का पता लगाने की भी कोशिश कर रहे हैं। गर्ग का शुक्रवार को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से निधन हो गया था और घटना के समय उन्होंने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, मैंने सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग से बात की और हमारे प्रिय जुबीन गर्ग के असामयिक निधन के कारणों की विस्तृत जांच का अनुरोध किया। उन्होंने मुझे इस संबंध में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। सिंगापुर के अधिकारियों ने भी अपनी जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, चूंकि घटनास्थल भारत नहीं था, इसलिए अगर कोई आपराधिक पहलू है तो हम उस देश से जानकारी लेंगे और अगर उन्हें गलत इरादे से असम से ले जाया गया था, तो हम इस पहलू की जांच करेंगे। उन्होंने कहा, राज्य सरकार गर्ग की मौत से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच करेगी और अगर किसी के पास कोई जानकारी है या वह गवाह बनना चाहता है, तो उसके लिए सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

स्मृति मंधाना ने महिला क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज वनडे शतक जड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में महज 50 गेंद में शतक जड़कर महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं।

मंधाना ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 2000-01 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए गए 57 गेंद में बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग 2012-13 सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंद में शतक बनाया जिससे वह सबसे तेज शतक बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। मंधाना ने 50 गेंद की शतकीय पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े थे और यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक भी है। इस तरह बाएं हाथ की 29 साल की बल्लेबाज ने अपना ही 70 गेंद में शतक बनाने का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मंधाना एक ही साल में चार वनडे शतक बनाने वाली पहली महिला बल्लेबाज भी हैं और उन्होंने यह उपलब्धि 2024 में हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी बल्लेबाज हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टैमी ब्यूमोंट के बाद वह महिला वनडे में लगातार दो शतक बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज भी बन गई हैं। न्यूजीलैंड की एमी सैटर्थवेट ने 2016-2017 में लगातार चार शतक लगाकर महिला वनडे में सबसे ज्यादा लगातार शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था।

'निर्वाचन आयोग बिहार वाली गलती दोहराएगा तो राहुल बंगाल में आंदोलन का नेतृत्व करेंगे'

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस नेता प्रसेनजीत बोस ने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग चुनाव प्रक्रिया के दौरान बिहार में की गई गलतियों को दोहराता है तो राहुल गांधी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

हाल में पार्टी में शामिल हुए अर्थशास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता बोस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण होने पर, संभवतः आगामी त्योहारी सीजन के बाद, भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का राजनीतिक पुनर्गठन होगा।

बोस (51) ने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार में एसआईआर विरोधी आंदोलन में अग्रणी हैं और इस पक्षपातपूर्ण गतिविधि का उनके द्वारा किया गया खुलासा न केवल कांग्रेस को महत्वपूर्ण राजनीतिक समर्थन प्रदान करेगा, बल्कि समूचे 'इंडिया' गठबंधन के कार्यकर्ताओं को भी उत्साहित करेगा।

मोदी-मोदी के नारे लगवाना विदेश नीति नहीं, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर (88 लाख रुपए) का शुल्क लगाए जाने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''गले लगना और मोदी-मोदी के नारे लगवाना'' विदेश नीति नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए तथा किसी से मित्रता को विवेक एवं संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी आवेदन के साथ एक लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, आपके जन्मदिन पर फोन कॉल के बाद आपको जो जवाबी तोहफा मिला है उससे भारतीय नागरिकों को दुख होता है। यह आपकी ''अबकी बार, ट्रंप सरकार'' की ओर से जन्मदिन का जवाबी तोहफा है। उन्होंने दावा किया कि एच -1बी वीजा पर एक लाख डॉलर का वार्षिक शुल्क भारतीय तकनीकी कर्मचारियों को सबसे अधिक प्रभावित करने वाला है क्योंकि, एच-1बी वीजा धारकों में से 70 प्रतिशत भारतीय हैं।

मध्यप्रदेश के पन्ना में मजदूर महिला की चमकी किस्मत, एक सप्ताह में मिले 8 हीरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पन्ना (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के पन्ना में मजदूरी करने वाली एक महिला को एक सप्ताह के भीतर लाखों रुपए मूल्य के आठ बेशकीमती हीरे मिले हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बड़गड़ी गांव की निवासी रचना गोलदार को मिले आठ हीरो का कुल वजन 2.53 कैरेट है और इनमें छह उच्च गुणवत्ता वाले हैं।

हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि इन आठ हीरों में से छह नग जेम्स क्वालिटी के हैं। सबसे बड़े हीरे का वजन 0.79 कैरेट है। इसके अलावा, दो हीरे का रंग धूमिल है। सिंह ने बताया कि इन सभी हीरों को महिला ने हीरा कार्यालय में जमा कर दिया है और इन्हें आगामी नीलामी में रखा जाएगा। उन्होंने इन हीरो की कीमत लाखों रुपए में होने का अनुमान जताया। गोलदार ने खदान क्षेत्र हजारा मुद्दा में पट्टा लिया था और खुदाई के दौरान उसे यह हीरे मिले हैं। पन्ना में खदान तो कई लोगों के पास है पर हीरा हर किसी के हाथ नहीं लगता। कुछ लोग तो कई साल से खदान का पट्टा लेकर हीरा खोज रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें नहीं मिला।

बाहरी शोर को बंद करना आसान नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण बातें सुनना भी जरूरी : सूर्यकुमार यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप सुपर 4 के महत्वपूर्ण मैच से पहले कहा कि दोनों टीम के बीच संबंधों को लेकर बाहर हो रही बातों को पूरी तरह से नजरअंदाज करना मुश्किल है लेकिन उन्होंने इसके साथ ही स्पष्ट किया कि इनमें से कुछ बातें महत्वपूर्ण भी हो सकती हैं।

पिछले रविवार को इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ नाबाद 47 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने वाले भारतीय कप्तान ने न तो टॉस के समय विपक्षी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ मिलाया और न ही उस दिन छक्का लगाकर मैच समाप्त करने के बाद खेल के अंत में उनसे हाथ मिलाया। पहलगाम हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाने और जीत को भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित करने के उनके कदम से सुपर 4 मुकाबले से पहले तनाव बढ़ गया। तो फिर बाहरी शोर को बंद करने का तरीका क्या है? इस सवाल के जवाब में सूर्यकुमार ने कहा, अपना कमरा बंद करो, अपना फोन बंद करो और सो जाओ। मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छी बात है। यह कहना आसान है, लेकिन कभी-

कभी यह मुश्किल होता है क्योंकि आप बहुत सारे दोस्तों से मिलते हैं। आप डिनर के लिए बाहर जाते हैं और आपके साथ बहुत सारे खिलाड़ी होते हैं जो ये सब चीजें देखना पसंद करते हैं, इसलिए यह बहुत मुश्किल है। भारतीय कप्तान हालांकि जानते हैं कि बाहरी शोर को पूरी तरह से बंद नहीं किया जा सकता है और अपने विवेक का उपयोग करके कुछ अच्छी चीजों को सुना जा सकता है। उन्होंने कहा, यह आप पर निर्भर करता है कि आप क्या सुनना चाहते हैं, आप अपने मन में क्या रखना चाहते हैं और आगे बढ़कर अभ्यास सत्र या खेल खेलना चाहते हैं। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे लगता है कि अगर हम इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और आगे बढ़ना चाहते हैं तो यह बहुत महत्वपूर्ण है, हमें बाहर से आने वाले शोर को बंद करना होगा और जो आपके लिए अच्छा है उसे ही आत्मसात करना होगा। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि बाहर होने वाली बातों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दीजिए। उनमें कुछ अच्छी और महत्वपूर्ण बात भी हो सकती है जिससे आपको खेल में और मैदान पर मदद मिल सकती है। मैच की तैयारी के बारे में उन्होंने कहा कि तीन मैचों के बाद टीम अच्छी स्थिति में है। भारतीय कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि टूर्नामेंट से पहले हमारी तैयारी वाकई अच्छी रही है और हमने तीन अच्छे मैच भी खेले हैं। इसलिए हम वास्तव में इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हम क्या सर्वश्रेष्ठ कर सकते हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ एक और प्रभावशाली जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। दोनों टीमों में बढ़ते तनाव के बीच भारत जब रविवार को यहां एशिया कप सुपर 4 के मैच में पाकिस्तान का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य स्पिन तिकड़ी के दम पर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के के खिलाफ एक और प्रभावशाली जीत दर्ज करना होगा।

भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो उनके खिलाड़ियों के बीच तनाव बना रहता है लेकिन इस बार यह नए स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके साथियों ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था जिससे नया बवाल पैदा हो गया।

ऐसा समझा जाता है कि भारतीय टीम इस रविवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ इसी नीति को जारी रखेगी तथा हाथ मिलाना भी संभवत: आम बात नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तानी खिलाड़ी और उनके समर्थक इस मैच को ''द्वेषपूर्ण मैच'' के रूप में देख रहे हैं। रविवार हमेशा सबसे आरामदायक दिन नहीं होता है और पिछले मैच में भारत को सात विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्यकुमार भी इस बात की पुष्टि करते हैं। इस टूर्नामेंट में सूर्यकुमार से सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, एक रणनीतिक कप्तान और अपने देश के लिए एक राजदूत होने की उम्मीद की जा रही है। ओमान के खिलाफ कैच लेने के प्रयास में अक्षर पटेल के सिर में लगी चोट से वह और मुख्य कोच गौतम गंभीर थोड़े चिंतित होंगे लेकिन क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने यह कहकर आशंकाओं को दूर कर दिया कि यह ऑलराउंडर ठीक है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले सूर्यकुमार को टीम के सभी महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को परखने की जरूरत थी। पूरी संभावना है कि में तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह अंतिम एकादश में शामिल नहीं होंगे।

सुविचार

जिस काम में काम करने की हद पार ना फिर वो काम किसी काम का नहीं।

ट्वीट

अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक, युगऋषि परमपूज्य पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण, सामाजिक उत्थान और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार हेतु आपका जीवन अद्वितीय दीपस्तंभ रहा।

-ओम बिरला

कुशलबाग स्टेडियम में आयोजित शहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर विभिन्न विभागों की स्टॉल का निरीक्षण किया व लाभार्थियों से संवाद कर उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

ओढ़े हुए रिश्ते

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

नीरज जिसे उसकी अर्चना दीदी प्यार से उसे 'नीरू' बुलाती थीं, बचपन से ही शब्दों का जादूगर था। उसकी कलम से निकली रचनाएँ अक्सर पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती थीं और हर प्रकाशन उसके छोटे से शहर में एक छोटी-सी हलचल पैदा कर देता था। वह सिर्फ़ लिखता ही नहीं था, बल्कि अपनी रचनाओं के माध्यम से एक अदृश्य दुनिया से जुड़ने की कोशिश करता था, जहाँ भावनाएँ और कल्पनाएँ स्वतंत्र रूप से उड़ान भरती थीं।

एक दिन 'प्रतियोगिता विकास' मासिक पत्रिका के पन्नों को पलटते हुए, उसकी नज़र एक निबंध प्रतियोगिता पर पड़ी। वह निबंध था अर्चना दीदी का। उसमें न केवल उनकी तस्वीर थी, बल्कि उनके विचार और एक छोटा-सा पता भी छपा था। अर्चना दीदी की आँखों में एक अजीब-सी चमक थी, और उनके शब्दों में एक गहरी समझ। नीरज को लगा, जैसे वह उन्हें पहले से जानता हो। उनके परिचय में एक ऐसी आत्मीयता थी, जिसने नीरज के मन को छू लिया।

बिना किसी हिचकिचाहट के, नीरज ने उसी पते पर एक पत्र लिखा। उसके शब्दों में एक मासूमियत थी, एक निश्छल जिज्ञासा। उसने लिखा, प्रिय अर्चना दीदी, मैंने आपकी निबंध पढ़ी है और आपके विचारों से बहुत प्रभावित हुआ हूँ। क्या आप मेरी बहन बनेंगी? यह एक अजीब-सा प्रस्ताव था, एक अपरिचित से किया गया निवेदन, लेकिन नीरज के मन में एक गहरी उम्मीद थी कि अर्चना दीदी उसके इस अनुरोध को स्वीकार कर लेंगी।

कुछ दिनों बाद, एक लिफाफा आया, जिस पर अर्चना दीदी का नाम और पता था। नीरज का दिल ज़ोरों से धड़क रहा था। उसने काँपते हाथों से पत्र खोला। पत्र में अर्चना दीदी ने लिखा था कि उन्होंने नीरज के प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार कर लिया है। उनके शब्दों में एक गर्मजोशी थी, एक स्नेहिल स्वीकृति। उन्होंने लिखा था कि उन्हें भी नीरज की रचनाएँ पसंद आई हैं और वे उसे अपना छोटा भाई मानकर खुशी महसूस करेंगी।

इस पत्र के साथ ही, नीरज और अर्चना दीदी के बीच एक अनूठा रिश्ता पनप उठा - पत्रों के माध्यम से जुड़ा एक भाई-बहन का रिश्ता। यह रिश्ता किसी खून के बंधन से नहीं, बल्कि भावनाओं के धागों से बुना गया था। वे एक-दूसरे को अपनी दिनचर्या, अपने सपने, अपनी खुशियाँ और अपने दुख साझा करते थे। नीरज उन्हें अपनी नई कविताओं और कहानियों के बारे में बताता, तो अर्चना दीदी उसे अपनी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में बतातीं। उनके पत्र सिर्फ़ कागज़ के टुकड़े नहीं थे, बल्कि वे दो आत्माओं के बीच संवाद का माध्यम थे, जो एक-दूसरे को समझने और सहारा देने की कोशिश कर रहे थे।

अर्चना दीदी हर साल उसे रक्षाबंधन पर नियमित रूप से राखियां भी भेंजती थीं। वो राखी के अलावा वे सब चीजें भी भेजती थीं जो राखी बांधते वक्त जरूरी होता था। वैसे नीरज उस राखी को बांधता नहीं था क्योंकि उसके घर में रक्षाबंधन नहीं मनाया जाता था। उसका मुख्य कारण यह था कि नीरज के घर में कभी कोई अनहोनी हो गई थी। तब से राखी नहीं बंधना एक परंपरा सी हो गई थी। लेकिन राखी पाकर वह झूम जाया करता था वह। उसे राखी बंधवाने की बहुत इच्छा होती थी।

लगभग पांच साल तक यह सिलसिला चलता रहा। हर पत्र एक नई उम्मीद लेकर आता था, एक नई कहानी सुनाता था। नीरज के लिए अर्चना दीदी एक मार्गदर्शक थीं, एक विश्वासपात्र दोस्त थीं, और एक बड़ी बहन थीं, जो हमेशा उसके साथ खड़ी रहती थीं। जब नीरज किसी दुविधा में होता, तो अर्चना दीदी के पत्र उसे सही राह दिखाते। जब वह उदास होता, तो उनके शब्द उसे दिलासा देते। यह रिश्ता इतना गहरा हो गया था कि नीरज को कभी महसूस ही नहीं हुआ कि अर्चना दीदी उससे सैकड़ों मील दूर रहती हैं। वे एक-दूसरे की आवाज़ नहीं सुन सकते थे, एक-दूसरे को देख नहीं सकते थे, लेकिन उनके दिलों के तार जुड़े हुए थे।

समय अपनी गति से चलता रहा। नीरज की पढ़ाई पूरी हुई और उसने एयर फ़ोर्स में नौकरी के लिए आवेदन किया। यह उसके बचपन का सपना था - नीले आसमान में उड़ना, देश की सेवा करना। कड़ी मेहनत और लगन के बाद, नीरज को एयर फ़ोर्स में चयन हो गया। यह उसके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उसने यह खुशखबरी सबसे पहले अर्चना दीदी को पत्र लिखकर दी। अर्चना दीदी ने उसे बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लेकिन एयर फ़ोर्स में नौकरी लगने के बाद, नीरज की ज़िंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। प्रशिक्षण, नई जिम्मेदारियाँ, और एक अनुशासित जीवन शैली ने उसे व्यस्त कर दिया। अब उसे पत्र लिखने का उतना समय नहीं मिल पाता था, जितना पहले मिलता था। उसकी पत्रकारिता की गतिविधियाँ भी धीरे-धीरे कम होने लगीं। पहले जहाँ हर हफ़्ते एक पत्र आता था, अब महीनों लग जाते थे। अर्चना दीदी के पत्र भी कम होने लगे, शायद वे भी नीरज की व्यस्तता को समझती थीं। धीरे-धीरे, पत्रों का यह सिलसिला धीमा पड़ता गया, लेकिन रिश्ता कभी टूटा नहीं था, बस उसकी गति धीमी हो गई थी।

फिर एक दिन, नीरज को एक शादी का कार्ड मिला। कार्ड पर अर्चना दीदी का नाम था। उनकी शादी तय हो गई थी। नीरज का दिल खुशी से भर गया, लेकिन साथ ही एक अजीब-सी उदासी भी घेर गई। उसे लगा, जैसे उसकी बड़ी बहन उससे दूर जा रही हो। कार्ड में शादी का स्थान और समय लिखा था। उस समय नीरज आगरा में तैनात था। उसने जाने का मन बनाया, लेकिन फिर एक संकोच, एक अजीब-सी लज्जा उसे रोक गई। शायद वह अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पा रहा था, या शायद उसे डर था कि इतने सालों बाद अचानक सामने आने पर कैसा लगेगा। उसने खुद को समझाया कि व्यस्तता के कारण वह नहीं जा पाएगा, लेकिन अंदर ही अंदर उसे इस बात का गहरा मलाल था। वह अपनी दीदी की शादी में शामिल नहीं हो सका, जिसने उसे बिना किसी शर्त के अपना भाई माना था।

शादी के बाद, अर्चना दीदी हरपालपुर से छतरपुर चली गईं। उनके पते में बदलाव हो गया और नीरज के पास उनका नया पता नहीं था। धीरे-धीरे, उनका संपर्क पूरी तरह से टूट गया। पत्र आने बंद हो गए, और नीरज के पास उनसे संपर्क करने का कोई माध्यम नहीं बचा। वह अक्सर उन्हें याद करता, उनके पुराने पत्रों को पढ़ता और सोचता कि अर्चना दीदी कैसी होंगी, क्या कर रही होंगी इत्यादि।

साल बीतते गए। नीरज ने अपनी ज़िंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन अर्चना दीदी की याद उसके दिल में हमेशा बनी रही। वह अक्सर अपनी पत्नी और बच्चों को अर्चना दीदी के बारे में बताता, उनके पत्रों के बारे में सुनाता। उसके बच्चे भी अर्चना दीदी के बारे में सुनकर उत्सुक होते थे। नीरज के मन में हमेशा एक कसक रहती थी कि वह अपनी दीदी से एक बार फिर मिल पाए। वह अपनी इस अधूरी इच्छा को पूरा करना चाहता था।

आज भी, नीरज अपनी अर्चना दीदी से एक बार मिलना चाहता है। मन ही मन वह कहता रहता कि दीदी आपकी याद बहुत आती है। वह जानता है कि यह मुश्किल है, क्योंकि उसके पास उनका कोई वर्तमान पता या फ़ोन नंबर नहीं है। उसने कई बार पुरानी पत्रिकाओं को खंगाला है, पुराने दोस्तों से संपर्क करने की कोशिश की है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। वह सोचता है कि अगर वे कभी मिलें, तो क्या वे उसे पहचान पाएंगी? क्या उनका रिश्ता आज भी उतना ही मज़बूत होगा?

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

श्राद्ध पक्ष के निमित्त

पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक श्राद्धपक्ष चलता है। इसका भावपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और कर्तव्य का निर्वहन है। व्यवहार पक्ष देखें तो पितरों को खीर, पूड़ी व मिष्ठान का भोग इसे तृप्तिपर्व का रूप देता है। जगत के रंगमंच के पार्श्व में जा चुकी आत्माओं की तृप्ति के लिए स्थूल के माध्यम से सूक्ष्म को भोज देना लोकातीत एकात्मता है। ऐसी सदाशय व उत्तुंग अलौकिकता भारतीय दर्शन में ही संभव है। यूँ भी सनातन परंपरा में प्रेत से प्रिय का अतिरेक अभिप्रेरित है। पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने की ऐसी परंपरा वाला श्राद्धपक्ष संभवत: विश्व का एकमात्र अनुष्ठान है।

इस अनुष्ठान के निमित्त प्राय: हम संबंधित तिथि को संबंधित दिवंगत का श्राद्ध कर इति कर लेते हैं। अधिकांशत: सभी अपने घर में पूर्वजों के फोटो लगाते हैं। नियमित रूप से दीया-बाती भी करते हैं।

दैहिक रूप से अपने माता-पिता या पूर्वजों का अंश होने के नाते उनके प्रति श्रद्धावनत होना सहज है। यह भी स्वाभाविक है कि व्यक्ति अपने दिवंगत परिजन के प्रति आदर व्यक्त करते हुए उनके गुणों का स्मरण करे। प्रश्न है कि क्या हम दिवंगत के गुणों में से किसी एक या दो को आत्मसात कर पाते हैं?

बहुधा सुनने को मिलता है कि मेरी माँ परिश्रमी थी पर मैं बहुत आलसी हूँ...क्या शेष जीवन यही कहकर बीतेगा या दिवंगत के परिश्रम को अपनाकर उन्हें चैतन्य रखने में अपनी भूमिका निभाई जाएगी?... मेरे पिता समय का पालन करते थे, वह पंक्चुअल थे।...इधर सवारी किसी को दिये समय से आधे घंटे बाद घर से निकलती है। विदेह स्वरूप में पिता की स्मृति को जीवंत रखने के लिए क्या किया? कहा गया है,

यद्यष्टाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो: जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

अर्थात श्रेष्ठ मनुष्य जो-जो आचरण करता है, दूसरे मनुष्य वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण देता है, दूसरे मनुष्य उसी का अनुसरण करते हैं। भावार्थ है कि अपने पूर्वजों के गुणों को अपनाना, उनके श्रेष्ठ आचरण का अनुसरण करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विधि विधान और लोकाचार से पूर्वजों का श्राद्ध करते हुए अपने पूर्वजों के गुणों को आत्मसात करने का संकल्प भी अवश्य लें। पूर्वजों की आत्मा को इससे सच्चा आनंद प्राप्त होगा।

बोध कथा

अनोखी कुश्ती

बहुत समय पहले की बात है, एक गाँव में दो आदमी रहते थे। उम्र, कद-काठ और स्वभाव में वे एक जैसे थे। वे हमेशा साथ रहते और जब कभी अकेले रहना पड़ता तो उनको लगता जैसे समय उन्हें दुखी करने के लिए ठहर गया हो। ज़िंदगी में चाहे कितने भी दुख और मुसीबतें क्यों न आईं, दोनों ने एक-दूसरे का हाथ इस तरह थामा जैसे दो जिस्म एक जान हों। उनके नाम खुशिआ और हसुआ थे। उनकी कई कहानियाँ और किस्से लोग आज भी बड़े चाव से याद करते हैं।

बुज़ुर्ग कहते हैं कि एक बार उनके मन में विचार आया कि क्यों न बाहर जाकर दुनिया देखी जाए। बस फिर क्या था दोनों ने तैयारी कस ली और चल पड़े । वे कितने ही शहरों, गाँवों और कस्बों में घूमे। कितने ही जंगलों और नदियों को पार किया । ऐसे ही घूमते-घूमते वे एक बार किसी गाँव के बाहर पहुँचे। वहां उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी। उन्होंने सोचा, 'यह कैसी भीड़ है? चलो खुद ही देख लेते हैं।' उन्होंने देखा सामने अखाड़ा खोदा गया था और कुश्ती की तैयारी हो रही थी। यह सारे लोग बाघा और शेरा की कुश्ती देखने के लिए आए थे।

दोनों के बीच कुश्ती शुरू हो गई, दोनों ही बहुत मज़बूत पहलवान थे। भीड़ में कई लोग चिल्लाने भी लगे। जब दोनों में से कोई दांव लगाता, तो भीड़ में से कोई ताली बजाता और फिर क्या होता, बस पूछिए मत; उसके पीछे तालियों की बौछार होने लगती। जब वे एक-दूसरे के दांव-पेंच को बचाते तो शोर मच जाता। काफ़ी देर तक ऐसे ही कुश्ती चलती रही, ऐसा लग रहा था कि दोनों में से कोई हारेगा नहीं।

भीड़ बढ़ती ही चली जा रही थी। इतने में शेरे ने जरा सा भीड़ की तरफ देखा और बाघे ने ऐसा दांव लगाया के शेरा चित्त हो गया । लोग चिल्लाने लगे और आसमान तालियों से गूंज उठा। बाघा खुशी के मारे कुलांचें भरने लगा और तालियाँ बजाने लगा। लोगों ने उसे अपने कंधों पर उठा लिया। शेरा उदास होकर एक तरफ़ बैठ गया। वह मायूस होकर सोचने लगा, 'मैंने भी तो कोई कसर नहीं छोड़ी।' किसी ने उसकी परवाह तक नहीं की।

यह देखकर हसुआ गाँव के मुखिया के पास गया। उसने मुखिया से पूछा, अगर मैं और मेरा साथी तुम्हें कुश्ती दिखाएँ, तो तुम्हें कोई आपत्ति तो नहीं होगी ? गाँव का मुखिया थोड़ा मुस्कुराया और बोला, 'नहीं, भला इसमें हमें क्या आपत्ति हो सकती है।' खुशिआ और हसुआ कमर में लंगोट बाँधे अखाड़े में आ गए। काफ़ी देर तक दोनों ने अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। लोग उनके दांव-पेचों की सराहना करते रहे। बाघा और शेरा भी इस लड़ाई का आनंद ले रहे थे। सब एक-दूसरे के आगे खड़े होकर कुश्ती देखने की कोशिश करने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे दोनों ने मिलकर मेला लूट लिया हो। आखिरकार, खुशिए ने हसुए को पटक दिया। लोग एक-दूसरे से बढ़ चढ़कर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगे ।

यह क्या ? हसुआ भी खुशी से नाचने लगा। शेरा, बाघा और कई अन्य लोग अचंभित होकर उसे निहारने लगे। उनमें से एक ने उससे पूछा, तुम तो कुश्ती हार गए हो, फिर भी इतने खुश क्यों हो? वह फिर हँसा और बोला, मैं खुश क्यों न होऊँ? मैंने भी अपनी तरफ़ से बेहतरीन कुश्ती दिखाई, तभी तो मेरे साथी ने इतनी अच्छी कुश्ती दिखाई और मुझे हरा दिया। अगर मैं इतनी अच्छी कुश्ती नहीं दिखाता, तो वह भी अच्छी कुश्ती कैसे दिखा पाता? और वैसे, वह भी तो मेरा दोस्त ही है। गाँव के मुखिया को बात समझ में आ गई। इनाम देते हुए उसने शेरे को भी बराबर का सम्मान और इनाम दिया और हसुए-खुशिए को कई दिनों तक अपने गाँव में मेहमान बनाकर रखा।

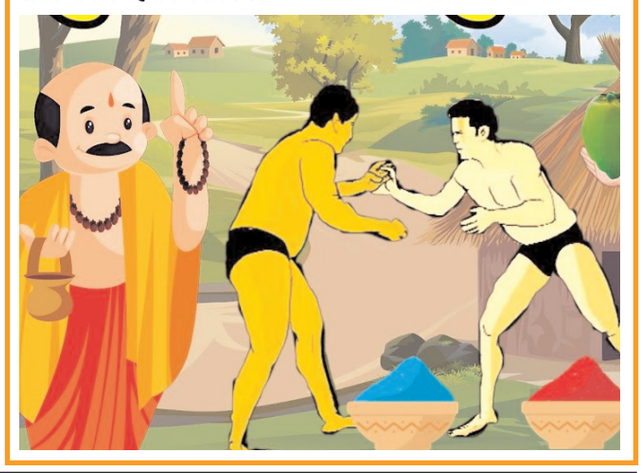

पुष्पेश कुमार पुष्प
मोबाइल : 9135014901

इंतजार

मैडम मारिया के यहां काम करते हुए हेली को लगभग दो वर्ष हो चुके थे। लेकिन मैडम मारिया के घर हर शनिवार को होने वाली पार्टी का राज आज तक समझ नहीं पायी थी।

हेली इस राज पर से परदा उठाना चाहती थी, लेकिन पार्टी देर रात तक चलती थी और हेली को थकान के कारण नींद सताने लगती और वह प्राय : मैडम मारिया के घर पर ही एक खाली पड़े कमरे में सो जाया करती थी। आज शनिवार था। आज उसने इस राज पर से परदा उठाने का निश्चय कर लिया था। रात की पार्टी में काफी सारे लोग आये थे। मैडम मारिया गुलाबी साड़ी में सजी-संवरी लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बनी हुई थी। लेकिन लोगों में एक प्रकार की अजीब-सी उदासी छायी थी।

तभी एक वृद्ध व्यक्ति एक तीस वर्ष के एक युवक को लेकर मैडम मारिया के पास आये और बोले - मैडम ! यह अजय है।

लेकिन मैडम मारिया बिना उसे देखे हाथ जोड़े आगे बढ़ गयी।

तभी उस वृद्ध व्यक्ति ने उसे समझाते हुए कहा - दरअसल यह पार्टी मैडम मारिया अपने पति के आने की खुशी में देती हैं। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अब उनके पति कभी वापस लौटकर नहीं आएंगे।

युवक ने पूछा - क्यों ?

वृद्ध व्यक्ति ने कहा- मैडम मारिया के पति पटना में उच्च अधिकारी थे और हर शनिवार को मैडम मारिया के पास आते थे। मैडम मारिया उनके आगमन की खुशी में ही यह पार्टी देती थी। लेकिन उस शनिवार की रात मैडम मारिया के पति अनिल की एक भयानक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी और उनके शरीर के परखच्चे उड़ गये। उनकी लाश टुकड़ों में विभाजित हो गयी। लेकिन मैडम मारिया आज भी उस दुर्घटना के सच नहीं मानती और आज भी अपने पति की आने की प्रतीक्षा कर रही हैं। क्या तुम मैडम मारिया की उदास जिंदगी में अनिल बनकर बहार ला सकते हो, क्योंकि तुम्हारा चेहरा अनिल से जैसा ही है?

लेकिन वह युवक इस सवाल के जवाब में मौन धारण कर लिया और वहां से निकल गया।

हेली मैडम मारिया के पार्टी देने के इस राज को जानकर दंग रह गयी और यह सोचने पर विवश हो गयी कि आखिर मैडम मारिया की यह इंतजार कब खत्म होगी ! यह सोचते हुए वह शून्य में खो गयी।

वीर गाथा

मेजर मल्लारामा गोपाल नायडू : हिंदुस्तान के शेर ने पाकिस्तान के 5 आतंकवादियों को किया था ढेर

मेजर मल्लारामा गोपाल नायडू का जन्म 16 जून, 1995 को आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में स्थित नागरीपेंटा गांव में हुआ था। माता एम हेमामालिनी और पिता एम अप्पाला नायडू के बहादुर बेटे मल्लारामा ने आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में वीरता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वे मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। बाद में उन्हें 56 आरआर में भेज दिया गया था।

मेजर मल्लारामा 26 अक्टूबर, 2023 को कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर तैनात एक एंबुश पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे। दरअसल सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी कि कुछ आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। सुबह के सवा 10 बजे थे। अचानक जवानों ने पांच आतंकवादियों को आते देखा। उनके खिलाफ ज्यादा असरदार कार्रवाई करने के लिए मल्लारामा ने जवानों को जगह बदलने को कहा। जब गोलीबारी शुरू हुई तो आतंकवादियों के होश उड़ गए। वे जान बचाने के लिए पत्थरों के पीछे छिप गए थे।

मल्लारामा बड़ा जोखिम लेते हुए आगे बढ़े और उस जगह का पता लगा लिया, जहां आतंकवादियों ने पनाह ले रखी थी। वे कुछ और आगे गए, देखा कि एक आतंकवादी हमारे जवानों पर गोलीबारी करने ही जा रहा था। मल्लारामा ने उसे निशाने पर लिया और वहीं उसका किस्सा खत्म कर दिया। इसके बाद उन्होंने एक और आतंकवादी को मार गिराया।

मल्लारामा ने गोलियों की बौछार के बीच तीसरे आतंकवादी को भी धराशायी कर दिया। एक आतंकवादी गुफा में छिपा हुआ था। मल्लारामा उसका खात्मा करने के लिए आगे बढ़े।

उसने उन पर ग्रेनेड फेंका। इस हमले से मल्लारामा बाल-बाल बचे, लेकिन आतंकवादी को मार गिराया। उस दिन वहां मौजूद सभी आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया।

अभियान की योजना बनाने, उसे क्रियान्वित करने और अपने जवानों की जान बचाते हुए आतंकवादियों को धराशायी करने में मेजर मल्लारामा गोपाल नायडू ने अत्यंत वीरता और साहस का परिचय दिया। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

स्वागत

●ँ्ण●छैँ्ब्ण छ●ँफ्द्र्ब्ण फ्द्रछ●ँर्ब्ण द्र्फ्छ●ँर द्र्फ्र ●ँब्छण●ँब्छण●ँ ●छैँण-छ●ँब्छण●ँब्छण●ँ छ●ँब्छण●ँब्छण●ँ

ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करे : आनंदीबेन पटेल

सहारनपुर । उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को कहा कि ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करता है।राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय (सहारनपुर) का तृतीय दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा, ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह केवल डिग्रियों का उत्सव नहीं है, बल्कि ज्ञान के प्रति हमारी निष्ठा, सत्य की खोज और जीवन में उद्देश्यपूर्ण योगदान का संकल्प है।

पटेल ने कहा कि सच्चे भारतीय होने का अर्थ केवल अपने अतीत पर गर्व करना नहीं है, बल्कि उस ज्ञान और परंपरा को अपने जीवन में उतारकर समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित करना है। उन्होंने कहा, जब हम शिक्षा की बात करते हैं, तो हमें गर्व से कहना चाहिए कि भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वर्ष 2014 में केवल 11 विश्वविद्यालयों के साथ विश्व रैंकिंग में शामिल भारत, आज 54 विश्वविद्यालयों के साथ पांच गुना प्रगति कर चुका है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा विद्यार्थियों को कुल 24,875 उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें से 66 प्रतिशत उपाधियां छात्राओं को तथा 34 प्रतिशत उपाधियां छात्रों को मिलीं। कुल 90 पदकों में से 66 पदक छात्राओं ने तथा 24 पदक छात्रों ने प्राप्त किए।

गरबा

शनिवार को सूरत के उमिया धाम मंदिर में 'नवरात्रि' के नौ दिवसीय उत्सव के लिए गरबा नृत्य का अभ्यास करती महिलाएँ।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा आवेदन पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगाने संबंधी सरकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है।

ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी आवेदन के साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा।

ट्रंप ने कहा, एच-1बी गैर आप्रवासी वीजा कार्यक्रम अस्थायी कामगारों को अमेरिका में लाने के लिए बनाया गया था ताकि वे अतिरिक्त, बेहद-कुशल कार्य कर सकें। लेकिन अमेरिकी

कामगारों की जगह सस्ते और निम्न प्रशिक्षित कामगारों को लाकर वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा, एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ख़तरा है। घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एच-1बी पर निर्भर आउटसोर्सिंग कंपनियों की पहचान और जांच की है, जो वीजा धोखाधड़ी, धन शोधन की साजिश... और विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल पाई गई हैं। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग से हमारी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को जो गंभीर नुकसान पहुंचा है उसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इसलिए, मेरा मानना है कि कुछ विदेशी कामगारों को अमेरिका में बेरोकटोक दाखिल होने देना अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक होगा। इस तरह के प्रवेश से अमेरिकी कामगारों को नुकसान होगा जिसमें उनके वेतन में कटौती भी शामिल है।

ट्रंप ने आदेश दिया कि गृह मंत्री घोषणा के प्रभावी होने की तिथि यानी 21 सितंबर 2025 से उन आवेदनों पर निर्णय लेने पर रोक लगाएंगे जिनके साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा।

'अर्थ' से पूर्व मेरा करियर खत्म मान लिया गया था, महेश भट्ट ने साझा की शुरुआती विफलताओं की कहानी

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्देशक महेश भट्ट ने कहा है कि वह आज भी खुद को एक ''लड़खड़ाता और ठोकर खाता इंसान'' मानते हैं, जिन्होंने जब फिल्म उद्योग में कदम रखा तब लगातार असफलताएं झेलीं। महेश भट्ट ने दिवंगत राज खोसला के सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था। उन्होंने 1974 में 'मंजिलें और भी हैं' से निर्देशन में कदम रखा। हालांकि कबीर बेदी और प्रेमा नारायण अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली। इसके बाद उन्होंने 'विश्वासघात, नया दौर, लहू के दो रंग' जैसी फिल्में बनाईं, जो दर्शकों पर कुछ खास असर नहीं छोड़ पाईं।

महेश भट्ट को तब सफलता मिली जब उन्होंने आत्मकथा पर आंशिक रूप से आधारित फिल्में-- 'अर्थ, जन्म, जख्म' बनायीं। उन्होंने कहा, 20 की उम्र के बाद का एक दशक मेरे लिए बहुत खराब रहा। मेरी तीन-चार फिल्में आईं लेकिन लगातार नाकामयाब रहीं। 'अर्थ' फिल्म रिलीज होने के पहले समझ लिया गया कि मेरा करियर खत्म हो गया हैं। उन्होंने कहा, मैं बस एक संघर्षरत, लड़खड़ाता और हकलाता हुआ इंसान हूं। कुछ फिल्में मैंने बनाईं जो अच्छी निकलीं लेकिन वे सेट पर मौजूद सामूहिक ऊर्जा और मेरे साथियों के योगदान के वजह से थीं।

निर्देशक-निर्माता नानाभाई भट्ट के बेटे महेश भट्ट (76) ने बताया कि उन्होंने कभी खुद को फिल्मकार नहीं माना क्योंकि वह केवल रोजगार की तलाश में इस उद्योग में आए थे। उन्होंने कहा, 15 साल की उम्र में मेरी मां ने मुझसे कहा, तुम्हारे पापा मुश्किल में हैं, हमें पैसे की जरूरत है। तुम्हारी बहन 'एयरोस्पेस इंजीनियर' के रूप में काम करने लगी है। तुम यहां बैठे हो और मेरे सामने खा रहे हो, मुझे ये अच्छा नहीं लगता। उन्होंने याद करते हुए कहा, मैंने खाना वहीं रख दिया, हाथ पोंछे और अपने दोस्त असगर अली के पास जाकर चिल्लाया: ''मुझे कोई काम दिला। मैंने पवई स्थित किलिक निक्सन में टर्नर और फिटर के रूप में काम शुरू किया। मेरी पहली हफ्ते की तनख्वाह 58 रुपए थी... मैंने वो पैसे अपनी मां को दिए। मैंने बस खाने के लिए काम किया।

महेश भट्ट ने बताया कि वह अच्छे विद्यार्थी नहीं थे और कॉलेज छोड़ दिया था लेकिन उन्हें कहानियां सुनाकर जीवन में आगे बढ़ने की कला आती थी। उन्होंने कहा, मेरा बचपन शायद सामान्य घरों के मानकों के अनुसार कुछ हद तक त्रस्त था। मैंने खुद को संभालने के लिए कहानियों का सहारा लिया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर विश्वविद्यालय के कर्मपुरा परिसर में नए भवन परिसर के उद्घाटन के दौरान।

रजनीकांत के सुनहरे 50 सालः प्राइम वीडियो ने खास वीडियो से दिया ट्रिब्यूट

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत के शानदार 50 साल के सिनेमाई सफर का जश्न मनाते हुए एक बेहद खास ट्रिब्यूट वीडियो जारी किया है। यह वीडियो रजनीकांत की तमिल एक्शन थ्रिलर कुली के लॉन्च के साथ आया है। इस खास वीडियो में डायरेक्टर लोकेश कनगराज और म्यूज़िक कंपोज़र अनिरुद्ध भी नज़र आ रहे हैं, जिन्होंने रजनीकांत के इस ऐतिहासिक सफर को और यादगार बना दिया है। वीडियो में रजनीकांत के आइकॉनिक स्टाइल, उनके बेमिसाल ऑन-स्क्रीन प्रेज़ेंस और पीढ़ियों से चले आ रहे उनके फैंस के साथ गहरे कनेक्शन को खूबसूरती से दिखाया गया है।

जश्न और वीडियो को और खास बनाने के लिए, प्राइम वीडियो ने चेन्नई भर में एक हाई-इम्पैक्ट बिलबोर्ड कैंपेन भी शुरू किया है। इसमें रजनीकांत के सबसे मशहूर पंचलाइनों को नए अंदाज़ में पेश किया गया है, जो उनके फैंस की तरफ़ से इस लीजेंड को एक अनोखा ट्रिब्यूट है।चेन्नई की सड़कों पर लगे ये बिलबोर्ड पूरे शहर को एक लिविंग कैनवास में बदल देते हैं, जहां हर कोना रजनीकांत के शानदार करियर और उनकी विरासत का जश्न मनाता दिखाई देता है।

'कुली' अब तमिल में स्ट्रीम हो रही है, साथ ही इसका डब्ड वर्ज़न तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी प्राइम वीडियो पर भारत और दुनिया के 240 से ज़्यादा देशों व इलाकों में उपलब्ध है। यह फिल्म एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर का अनुभव देती है, जिसमें न्याय, वफादारी और हाई-ऑक्टेन ड्रामा का तड़का है, जो दर्शकों को सीट से बांधे रखता है।रिलीज के बाद से ही 'कुली' दुनिया भर में ट्रेंड कर रही है और 20 से ज़्यादा देशों, जिनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, हांगकांग, यूएई शामिल हैं, वहां टॉप 10 मूवीज़ की लिस्ट में जगह बना चुकी है।

हफ्ते में एक दिन की छुट्टी जरूरी : नायरा

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता।

नायरा बनर्जी ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं। अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, ''मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया।

सलमान खान ने सिर्फ़ 45 दिनों में पूरी की 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग सिर्फ 45 दिनों में पूरी कर ली है। अपूर्व लखिया के निर्देशन में बनी यह फ़िल्म 2020 की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई भयानक लड़ाई के समय में फिर से लेकर जाती है। उस समय सीमा पर हुआ यह एक दुर्लभ संघर्ष था, जिसमें सैनिकों ने बिना किसी हथियार के लड़ाई लड़ते हुए जान गंवाई थी। सैनिकों ने लाठी और पत्थरों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ी थी, जिससे यह हाल के भारतीय इतिहास की सबसे ज़्यादा भावनात्मक कहानियों में से एक बनकर सामने आई। अपनी दमदार कहानी और कमाल की स्टार कास्ट के साथ बैटल ऑफ गलवान हाल के सालों में भारतीय सेना को समर्पित सबसे असरदार सिनेमाई श्रद्धांजलि बनने जा रही है।

सलमान खान ने फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग 45 दिनों के शेड्यूल में अच्छी तरह से पूरी कर ली है। ऐसे में निर्देशक अपूर्व लाखिया ने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट के कुछ खास पर्दे के पीछे के लम्हों को साझा किया है।अपूर्व ने सलमान के साथ बातचीत की एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, 45 दिन पूरे हुए। उन्होंने शूटिंग लोकेशन से भी कई तस्वीरें शेयर कीं। बैटल ऑफ गलवान में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में हैं।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में फिर साथ नजर आएंगे लक्ष्य और राघव जुयाल

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म किल में एक-दूसरे के दुश्मन बने अभिनेता लक्ष्य और राघव जुयाल अब नेटफ्लिक्स की नयी सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में एक साथ नजर आएंगे। दोनों कलाकारों का कहना है कि उनकी आपसी समझ और दोस्ती ही सीरीज में उनके बीच बनी कैमिस्ट्री को और गहरा बनाती है। साल 2023 में आयी फिल्म किल में जुयाल ने एक हिंसक ट्रेन लुटेरे की भूमिका निभाई थी, जिसका सामना छुट्टी पर आए एक कमांडो से होता है। वहीं, इस नयी सीरीज में लक्ष्य एक उभरते हुए युवा अभिनेता का किरदार निभा रहे हैं और जुयाल उनके सबसे अच्छे दोस्त की भूमिका में हैं। यह अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली सीरीज है, जिसमें आमिर खान, शाहरुख खान, सलमान खान, करण जौहर, रणवीर सिंह समेत फिल्म उद्योग के कई सितारे अतिथि भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

लक्ष्य के साथ दोबारा काम करने के अनुभव पर जुयाल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम एक-दूसरे को समझते हैं, हमारे दोस्त भी एक जैसे हैं। हम पैकेज में आते हैं। लक्ष्य ने बताया कि किल की शूटिंग के दौरान ही उनकी ऑफ-स्क्रीन दोस्ती हो गयी थी और इस सीरीज ने उस दोस्ती को पर्दे पर उतारने का मौका दिया। उन्होंने जुयाल की तारीफ करते हुए कहा, मैं उन्हें समझता हूं। मुझे आमतौर पर लोग समझ नहीं आते क्योंकि वे कुछ कहते हैं और करते कुछ और हैं, लेकिन राघव दिल से बोलते हैं। उनमें साफगोई और ईमानदारी झलकती है।

लक्ष्य ने कहा कि एक उभरते अभिनेता का किरदार निभाने के लिए उन्होंने शाहरुख खान से प्रेरणा ली। उन्होंने कहा, इस किरदार के लिए मैंने खुद के अनुभव से भी काफी कुछ सीखा और सर (शाहरुख़ ख़ान) के कई साक्षात्कार देखे। उनसे प्रेरणा ली। जब भी मैं अटक जाता था तो आर्यन (ख़ान) को देखता था क्योंकि बेटा होने के नाते वह मुझे सही दिशा देते थे। राघव जुयाल ने बताया कि उन्होंने इस सीरीज में अपने किरदार को गढ़ने के लिए अपने एक करीबी दोस्त तबेश से प्रेरणा ली। उन्होंने कहा, मैंने उसकी आदतें अपनाई हैं क्योंकि उसके जीवन में लिए गए फैसले मेरे किरदार से मेल खाते हैं। जैसे, वह किसी के सामने कुछ भी कह सकता है, किसी भी तरह का 'जुगाड़' कर सकता है। लक्ष्य और जुयाल दोनों ने फिल्म उद्योग में अपने दम पर पहचान बनायी है और यह साबित किया है कि अगर प्रतिभा हो तो सफलता मिलती ही है।

हिंदी से बंगाली सिनेमा तक, मेघना नायडू ने सभी भाषाओं में दी शानदार फिल्में

मुंबई/एजेन्सी

मेघना नायडू ने भारतीय सिनेमा की कई भाषाओं में काम करके खुद को एक अलग मुकाम दिया है। हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, मराठी और बंगाली फिल्मों में उनकी मौजूदगी ने यह साबित किया है कि मेघना सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। इस वजह से उन्हें मल्टीटास्कर एक्ट्रेस कहा जा सकता है। मेघना नायडू का जन्म 19 सितंबर 1980 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था। उनके पिता एयर इंडिया में काम करते थे और एक टेनिस कोच भी थे, जबकि उनकी मां स्कूल टीचर थीं। मेघना का बचपन मुंबई में बीता, जहां उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने अंधेरी से बीकॉम की डिग्री हासिल की। बचपन से ही मेघना को डांस का शौक था और उन्होंने सात साल तक भरतनाट्यम का प्रशिक्षण भी लिया। इसके अलावा, वे चार साल तक अमेरिका में टेनिस की कोचिंग भी दे चुकी हैं।

मेघना ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। 18 साल की उम्र में तेलुगु फिल्म 'प्रेमा साक्षी' से उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने तेलुगु के साथ-साथ कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया। उन्हें बड़ा ब्रेक 2002 में म्यूजिक वीडियो 'कलियों का चमन' से मिला। यह

गाना रिमिक्स वर्जन में था, जिसे लता मंगेशकर के गाने 'थोड़ा रेशम लगता है' पर बनाया गया था। इस म्यूजिक वीडियो ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद मेघना ने फिल्म 'हवस' के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा, जिसमें उन्होंने बोल्ड भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने 'जैकपॉट', 'माशूका', 'क्वालिटी ऑफ लव' जैसी फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, बॉलीवुड में उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं चला, लेकिन उन्होंने साउथ फिल्मों में लगातार काम किया। तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली और कन्नड़ भाषाओं की फिल्मों में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई।

मेघना नायडू की बहुभाषी फिल्मों में काम करने की वजह से उन्हें विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों ने भी पहचाना। वे सिर्फ हिंदी सिनेमा की ही नहीं बल्कि दक्षिण भारतीय सिनेमा की भी लोकप्रिय अभिनेत्री रहीं। इसके साथ ही, उन्होंने टीवी की दुनिया में भी कदम रखा और 'खतरों के खिलाड़ी' और 'डांसिंग क्वीन' जैसे रियलिटी शो में हिस्सा लिया। वे टीवी सीरियल 'जोधा अकबर' और 'ससुराल सिमर का' में भी नजर आईं। मेघना ने टेनिस खिलाड़ी लुइस मिगुएल रीस से शादी की और अब वे दुबई में अपने पति के साथ रहती हैं। शादी के बाद उन्होंने फिल्म और टीवी की दुनिया से दूरी बना ली, लेकिन वे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | रविवार | 21-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

दूसरों को देखकर गलत आदत जिंदगी में लाना बंद करें : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सान्निध्य में 'उवसग्गहर स्तोत्र' की आराधना का दसवाँ दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रवचन देते हुए मुनिश्री ने कहा कि जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण है अपनी करणी, केवल देखा-देखी या दूसरों का अनुसरण करके जीवन का कल्याण संभव नहीं है। उन्होंने समझाया कि हमारे माता-पिता अच्छे हों, गुरु अच्छे हों, भगवान अच्छे हों, समाज और खानदान अच्छा हो-लेकिन यदि हम स्वयं अच्छे नहीं बने तो इन सबका हमारे जीवन पर कोई लाभ नहीं है। दूसरी ओर, यदि हम अच्छे हैं तो चाहे पड़ोसी, परिवार या समाज के कुछ लोग बुरे क्यों न हों, वे हमें हानि नहीं पहुँचा सकते। इसीलिए सबसे ज़रूरी है कि व्यक्ति अपनी सोच और आचरण को सही रखे।

मुनिश्री ने कहा कि अक्सर लोग अच्छे संस्कार पाकर भी गलत रास्तों पर चल पड़ते हैं। कारण है देखा-देखी की प्रवृत्ति। उन्होंने बताया कि हमारी कोई बुरी आदत नहीं थी, लेकिन दूसरों को देखकर हमने सीख ली और धीरे-धीरे अच्छे लोग भी बिगड़ने लगे। संसार को देखकर, समाज को देखकर लोग बुरी आदतें अपनाने लगते हैं। गुरु, भगवान, माता-पिता और संस्कारों में कोई कमी नहीं, लेकिन देखा-देखी में डूबकर जीवन की दिशा बदल जाती है। उन्होंने बताया कि आज समाज में कई गलत आदतें सिर्फ इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि लोग दूसरों का अनुकरण कर रहे हैं। दूसरों को देखकर बिना सोचे समझे वही करना शुरू कर देते हैं। इस प्रवृत्ति से बचना होगा।

प्रवचन में उन्होंने कहा कि हर साल साधु-साध्वी समाज में आते हैं, उत्तम गुण और शिक्षा देते हैं, फिर भी लोग अपनी आदतें नहीं बदलते। कारण यह नहीं कि गुरु या भगवान में कमी है, बल्कि असली कमी हमारी करणी में है। मुनिश्री यह भी बताया कि यदि हम यह सोचते रहें कि जब तक समाज नहीं बदलेगा तब तक मैं नहीं बदलूँगा, तो यह बड़ी भूल है। यह संभव नहीं कि हम पूरे समाज को बदल दें। लेकिन शुरुआत खुद से अवश्य की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि जो व्यक्ति समझने के लिए तैयार है, उसके लिए हल्की-सी संकेत भी काफी है। लेकिन जो समझना ही नहीं चाहता, उसके सामने पूरी आगम की किताब भी रख दो तो भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस अवसर पर उन्होंने जीवन का सार समझाते हुए कहा कि व्यक्ति को हमेशा अपनी करणी पर ध्यान देना चाहिए। देखा-देखी से अपनाई गई बुरी आदतें हमें केवल विनाश की ओर ले जाती हैं। रविवार को इस आराधना का अंतिम दिवस मनाया जाएगा। इसके साथ ही 22 सितंबर से पुच्छिसुणम सूत्र की आराधना का शुभारंभ होगा। इसके अलावा, नवरात्रि के उपलक्ष्य में 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक दस दिनों तक विशेष नवरात्रि जाप का आयोजन रखा गया है।

रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मदुरै में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् मदुरै द्वारा सात जगहों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इन सातों जगहों में कुल मिलाकर 297 यूनिट रक्त का संचय हुआ। सभी जगह युवाओं महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साह केसाथ भाग लिया। मदुरै रक्तदान शिविर के संयोजक अरुण गोलेछा ने कहा कि कुल 297 जनों ने रक्तदान कर स्वयं को स्वस्थ अनुभव किया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष गौतमचंद गोलछा, तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष ओमप्रकाश कोठारी सहित कई पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

कर्म जैसा नचाए, वैसा नाचता है जीव : पंन्यास विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित पंन्यास प्रवर विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने शनिवार को अपने शास्त्रीय प्रवचन में सम्यक्त्व की छः भावना की सूक्ष्म विवेचना की। उन्होंने कहा, कर्म जैसा नाच नचाता है, जीव वैसे ही नाचता है। परंतु जब जीव कर्म के आवेग में नहीं बहता, तभी वह कर्म का अधीन नहीं होता।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सम्यक दर्शन अमूल्य रत्न है। इसी से जागृति आती है और केवलज्ञान तक की प्राप्ति होती है। उन्होंने इसे धर्मनगर का द्वार बताया और कहा कि मन सम्यक दर्शन की दृढ़ता पर ही चलता है।

विमल पुण्यविजयजी ने समझाया कि धर्म के द्वार में प्रवेश करने हेतु गणितानुयोग का महत्व है। संख्या और अनंत को मानना ही समकित है। उन्होंने जघन्य, मध्यम और उत्कृष्ट तीन प्रकार की संख्याओं का उल्लेख करते हुए राशि अभ्यास का रहस्य खोला। उदाहरणों द्वारा उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी संख्या को स्वयं से बार-बार गुणा करने से जो परिणाम मिलता है, वह राशि अभ्यास कहलाता है। जघन्य असंख्यात से लेकर जघन्य अनंत अनंता तक की गूढ़ गणना उन्होंने सरलता से समझाई। आगे उन्होंने बताया कि अनंत का प्रयोग वनस्पति में होता है, जबकि असंख्यात का प्रयोग पृथ्वीकाय, तेउकाय, अपकाय आदि में होता है। तीसरी भावना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समकित धर्मरूपी महल की नींव है। यदि नींव मजबूत हो तो महल सदा अडिग रहता है, लेकिन नींव कमजोर हो तो भव्य से भव्य महल भी टिक नहीं सकता।

दूसरों को सुख देने से स्वयं को सुख मिलता है : साध्वी मयूरयशा

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड के सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी मयूरयशाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें अपनी शक्ति का उपयोग दूसरों की भलाई के लिए करना चाहिए। हम दूसरों को सुख पहुंचाएंगे तो हम सुखपूर्वक, शांतिपूर्वक, समाधिपूर्वक रह सकते हैं। दूसरों की तकलीफ में, दुख में उन्हें सांत्वना देना और प्रेम देना समाधि और शांति का कारण है। व्यक्ति में सबसे बड़ा रोग तनाव का है, अगर उसे प्रेम देंगे, वात्सल्य देंगे तो वह स्वस्थ हो जाएगा। साध्वीश्री ने कहा कि व्यक्ति का जीवन क, ख, ग में ही पूरा हो जाता है यानी कमाना, खाना और गमना। अगर हम समस्या का समाधान कर लेंगे तो दुखी नहीं होंगे। आनंद से रहने वाला, ज्यादा बोलना, हमें अपेक्षा किसी की नहीं रखनी चाहिए, दूसरों से अपेक्षा हमारे दुख का कारण है। साध्वी जी ने आश्रव भावना का वर्णन करते हुए कहा कि आठ प्रकार के कर्म में से सात प्रकार के कर्म बंधते रहते हैं, सिर्फ आयुष्य कर्म ही जीवन में एक बार बंधता है। हमें मन, वचन, काया से शुभ विचार, शुभ उच्चारण और शुभ आचार का पालन करना चाहिए।

हिन्दी पखवाड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। भारतीय खाद्य निगम के आंचलिक कार्यालय, दक्षिण एवं क्षेत्रीय कार्यालय तमिलनाडु के सौजन्य से मंडल कार्यालय कोयम्बटूर में 19 सितम्बर को हिन्दी दिवस और हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र में सुश्री सुकीर्ति कुमारी ने उद्घाटन करते हुए कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और इसे राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हम पूरे प्रयास में है। उन्होंने सभी कार्मिकों को यह प्रण दिलाया कि हम अपने कार्यालय संबंधी कार्यों शत प्रतिशत हिंदी में करने का प्रयास कर रहे हैं। अमृता पी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। पहले दिन हिंदी हस्तलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कार्यालय के प्रायः सभी अधिकारी/कर्मचारियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता किया। संचालन राजभाषा अधिकारी सुकीर्ति ने किया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर के रायपुरम् में गणेश मंदिर में 25वां मासिक सुन्दरकांड पाठ 20 सितम्बर को हुआ। गणेश वंदना एवं बाबा की ज्योति के साथ संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ भजनों के साथ हुआ। मण्डल की अध्यक्ष शिलाशाह एवं पदाधिकारी सुमन गुप्ता, लीला, सुनिता शर्मा, भगवती दाधीच, मंजु पारस सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

अहंकार संयम मार्ग में सबसे बड़ी बाधा : साध्वी धैर्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विल्सनगार्डन जैन स्थानक में साध्वी आगमश्री ने कहा कि प्रभुत्व पाने के लिए साधक को श्रद्धापूर्वक भक्ति करनी चाहिए। धर्म का पुरुषार्थ करते हुए आत्मोन्नति की ओर अग्रसर होना ही साधना का वास्तविक उद्देश्य है। किसी भी धर्म-आराधना के लिए मानव के अंतःस्थल को करुणा, मैत्री, प्रमोद एवं मध्यस्थ भाव से नवपल्लवित होना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में संसार मोह के आधार पर संचालित हो रहा है। अहंकार से युक्त मनुष्य जब आध्यात्मिकता की ओर बढ़ता है तो उसका अहंकार ही उसके संयमी जीवन में सबसे बड़ा बाधक बन जाता है। साधक को चाहिए कि वह त्यागमय जीवन अपनाकर अपनी इन्द्रियों को नियंत्रण में रखे और आत्मा की शुद्धि की ओर अग्रसर हो।

आत्मसंयम, साधु-संयम और सदाचार ही वास्तविक प्रभु-भक्ति का आधार है। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि सच्चा धर्म वही है जो मनुष्य के भीतर से हिंसा, क्रोध, लोभ और अहंकार जैसे दुर्गुणों का नाश करे। आज के युग में भौतिक प्रगति के साथ-साथ आध्यात्मिक प्रगति भी अनिवार्य है। यदि मनुष्य केवल भौतिकता के पीछे भागेगा तो उसे क्षणिक सुख तो मिलेगा, पर स्थायी शांति कभी प्राप्त नहीं होगी। स्थायी सुख तभी संभव है जब हम अपने

हमारे विरोधी हमारे सच्चे हितैषी हैं : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट जैन भवन में राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि विरोधी का नाम सुनकर, उसको देखकर जिसका खून खौलता है, नफरत की निगाह से देखता है, अपने कामों के लिए रुकावट और व्यवधान मानता है, अपना शत्रु मानता है, ऐसा व्यक्ति सबसे बड़ा नादान है। सत्य तो यह है विरोधी से बढ़कर हमारा और कोई सच्चा हितैषी नहीं हो सकता। जिसके कारण हम कदम कदम पर संभाल कर चलते हैं। सजग और सावधान हो जाते हैं। शरीर में जितना आंखों का महत्व है उतना ही जीवन में विरोधी का महत्व हमारे उत्थान में है। उन्होंने कहा कि विरोधी की चुनौती से हमारे अंदर काम करने की शक्ति और ऊर्जा का संचार होता हैश्र अब इसको करके दिखाना है। यह जज्बा धन संपत्ति परिवार साक्षात परमात्मा भी नहीं कर सकता।

मुनिश्री कमलेशजी ने बताया कि हमारा सबसे बड़ा हितैषी और उपकारी विरोधी जो बुरे काम करने से हमको रोकता है। सच्चा मार्गदर्शन है जिसके जीवन में विरोधी नहीं वह तो जिंदे मुर्दे के समान है।

उन्होंने कहा कि भगवान राम अपने परिवारवालों से नहीं बल्कि विरोधी रावण के कारण विश्वपूजनीय बनें। जितने भी महापुरुष हुए हैं वह विरोधी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। महात्मा गांधी का विरोध करके ट्रेन से धक्का दिया गया वह विरोध वरदान बना और देश की आजादी का बिगुल बन गया। विरोधी हमारे में बुद्धि और विवेक जागृत करता है।

मेगा रक्तदान शिविर 2.0 में किलपॉक में 205 यूनिट रक्त संग्रहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तेरापंथ युवक परिषद्, किलपॉक द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशानुसार हुए 'रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0' का का आयोजन हुआ।

वहीं चेन्नई में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन 29 कैम्प द्वारा किया गया। इन कैम्पों में कुल 2047 यूनिट रक्त का संचय हुआ। इसी मेगा रक्तदान शिविर के अंतर्गत एक कैम्प का आयोजन अगरचंद मानमाल कॉलेज में मुख्य अतिथि के रूप में संसदीय कार्य राज्य मंत्री और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ एल. मुरुगन के द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। तेयुप किलपॉक अध्यक्ष राकेश डोसी ने बताया कि किलपॉक शिविर में कुल 205 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ, जो समाजसेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वहीं अभातेयुप का नाम एक ही दिन में सर्वाधिक यूनिट रक्त संग्रहण हेतु गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है।

हिन्दी-विभाग शिफ्ट-2 द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कालेज हिंदी विभाग, शिफ्ट-2 द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। सृजनात्मक लेखन : युवा और हिन्दी- 'नई सोच, नई दिशा' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विशाल खेडकर कार्पोरेट परिवर्तन विशेषज्ञ, नेतृत्व प्रशिक्षक, संस्थापक कौशल संवर्धन अकादमी पुणे थे। कार्यक्रम की शुरुआत नारायणी एवं कीर्तना ने ईश्वर वंदना एवं मुख्य-अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई।

हिंदी विभाग शिफ्ट-2 के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी ने सभी का स्वागत किया और कहा कि हिंदी विभाग का यह कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है और हमें उम्मीद है कि इस राष्ट्रीय कार्यशाला से उन्हें अपने कौशल को विकसित करने में मदद मिलेगी। मुख्य-अतिथि एवं निर्णायक का, प्राचार्य एवं प्राध्यापकों द्वारा अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि का परिचय एवं निर्णायक का परिचय नारायणी व अच्युत ने दिया, जबकि द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि एवं निर्णायक का परिचय नारायणी व रोमी मिश्रा ने दिया।

प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस संतोष बाबू ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.मनोज कुमार द्विवेदी जी के इस पहल और विभाग के प्रति उनके समर्पण एवं इस दायित्व को कुशलतापूर्वक निभाने के प्रयासों की सराहना की। वैश्वीकरण और प्रौद्योगिकी के इस युग में, हिंदी सृजनात्मक लेखन लोगों के साथ गहराई से जुड़ने की शक्ति रखता है, चाहे वह ब्लॉग, सोशल मीडिया हो या समकालीन साहित्य। चुनौती यह नहीं है कि हिंदी अनुकूल हो सकती है या नहीं, बल्कि यह है कि युवा अपनी विचारों और अनुभवों की विविधता को प्रतिबिंबित करने के लिए इसका कितना अच्छा उपयोग कर सकते हैं।

महाविद्यालय के सचिव डॉ.अशोक कुमार मूँधड़ा एवं कोषाध्यक्ष अशोक केडिया ने अपने संदेश में कहा कि आने वाले समय में विद्यार्थियों के लिए इस तरह के कार्यशाला समय-समय पर होने चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में विशाल खेडकर ने अपने वक्तव्य में छात्रों को केंद्र में रखकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को हिंदी भाषा को मात्र अपने पाठ्यक्रम तक ही सीमित नहीं रखना है, बल्कि इसे सृजनात्मकता के साथ जोड़कर अपने सुनहरे भविष्य को संवारना है। इसके अलावा, उन्होंने विभिन्न वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से हिंदी को आगे बढ़ाने की बात कही और छात्रों को हिंदी के महत्व और इसकी उपयोगिता के बारे में जागरूक किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.